



Sewa Jyot

January 2018



WITH A GLEAM OF HAPPINESS &
THE ECHO OF TOGETHERNESS
CELEBRATING THE FESTIVAL OF LIGHTS

THE GROWTH ACCELERANT.

G+2

Individual Corporate Houses
Ranging From 6,000 To 15,000 Sq.Ft.

SF

Office Modules
Ranging From 1,000 To 30,000 Sq.Ft.
30,000 Sq.Ft. Single Floor-Plate Available



Ready To Move-In Work-Spaces With Ownership & Lease Options (Enquiries Solicited)

Site : First Avenue, Beside Keshavbaug Party Plot, Vastrapur, Ahmedabad.

Corporate Office : B-701, Safal Pegasus, Prahladnagar, Ahmedabad.

Tel: 079 4001 5101, Mobile: +91 90990 99518, 98250 08935

Project Certified Under RERA : PR/GJ/AHMEDABAD/AHMEDABAD CITY/AUDA/CAA00045/010917

The First
A CORPORATE COMMUNE

CRISIL REAL ESTATE STAR RATING - FIVE STAR

INDEX

President's Message	03
Hon' Secretary's Message	05
Convenors' Reports	06
Interview with Vice President	12
Office Bearers over the Years	14
Pillars of our Foundation	16
Diwali & New Year Get-together	20
56th Annual General Meeting	22
Presidential Pen	24
Principals' Interviews	26
From the Principals' Desk	28
Inspiring Articles	30
Have you read this book?	42
Students' Activities	44
From our Schools	49
Inspiring Articles	54



GANPATRAJ CHOWDHARY

President

स्नेही स्वजन,

विक्रम संवत् के नए साल के साथ साथ नया साल २०१८ भी शुरू हो चुका है और प्रभु से मेरी एक ही प्रार्थना है कि आप सब के जीवन में हमेशा सुख, शांति और संपत्ति बनी रहे। आपकी हर इच्छा पूर्ण हो और व्यवसाय में आपको सफलता मिले। आने वाले साल में आप सब की सेहत अच्छी रहे।

राजस्थान सेवा समिति के हमारे मुखपत्र "सेवासेतु" का द्वितीय अंक प्रस्तुत है। हमारे बुलेटिन कमिटी के कन्वीनर सुभाषजी दसानी ने इस एक और अंक में काफी मेहनत और अपना योगदान दिया है। आपको बधाई देता हूँ।

द्वितीय अंक प्रस्तुति के इस अवसर पर आप सब को खास बताना चाहता हूँ की हमारी राजस्थान सेवा समिति ने अपनी कार्यकारिणी सभा में और ५६वीं साधारण सभा में सर्वानुमत नयी ईमारत निर्माण करने का निर्णय लिया है। हम सब को पूरा विश्वास है की इस नयी ईमारत से हमारा विद्यादान का कार्य और भी बेहतर तरीके से संपन्न हो सकेगा। मुझे बेहद खुशी है कि हमारे कार्यकारिणी के सदस्य, सब पदाधिकारी और हमारे वर्तमान ट्रस्टीज इस निर्णय से काफी उत्साहित है और उनका यह उत्साह ही हमारी ताकत है।

हमारी राजस्थान सेवा समिति पचपन साल के बाद सचमुच एक वटवृक्ष बन चुकी है। इस पुरे समयकाल में न जाने कितने स्वप्नद्रष्टा महारथी ने इस वटवृक्ष का सिंचन किया है। और आज सचमुच पुरे गुजरात राज्य में हमारी यह संस्था अपनी एक अलग पहचान बना चुकी है। राजस्थान से हम सब आये और ऐसी संस्था का स्थापन हुआ जो अपने आप में एक मिसाल बन चुकी है।

जिस दिन से मैं राजस्थान सेवा समिति का अध्यक्ष नियुक्त हुआ हूँ तब से हर पल अहसास रहा है कि हमारे सभी दिग्गज पूर्व प्रमुख ने संपन्न किया कितना बड़ा उत्तरदायित्व मुझे दिया गया है। राजस्थान सेवा समिति और उसकी प्रगति की बात मेरे दिल और दिमाग पर हमेशा छाया रही है। जब कभी भी राजस्थान सेवा समिति की प्रतिमा को मन के भीतर अनुभव करता हूँ तो संस्था के सर्व शिल्पी के प्रति नतमस्तक हो जाता हूँ और यह भी ठान लेता हूँ की हमें भी राजस्थान सेवा समिति को कुछ और ऊंचाई पर ले जाना है।

INSTITUTIONS OPERATING UNDER RAJASTHAN SEWA SAMITI

- Rajasthan Hindi High School
- Rajasthan Eng. Higher Secondary School (Self Financed)
- Gyanodaya Hindi Prathmik Shala
- Gyanodaya English Medium Primary School
- Gyanodaya Shishu Mandir
- Rajasthan Institute of Professional Studies

Rajasthan Sewa Samiti is the organization recognized & registered under Ahmedabad Bombay Public Trust Act & Societies' Registration Act. The donation given to the Samiti is exempted from tax under Income Tax Act, 1961, Section 80G.

This Bulletin is Designed by Rioconn Interactive Pvt. Ltd.
Advertised & Printed by Khushi Advertising
Published by Rajasthan Sewa Samiti
Subhash M. Dasani - Editor & Convenor, Bulletin Committee
Rajesh Balar - Co. Convenor, Bulletin Committee
Ramchandra Bagrecha - Member, Bulletin Committee

RAJASTHAN SEWA SAMITI:

Rajasthan Bhawan, Shahibaug Road, Ahmedabad -380004.
Tel: +91 79 2562 4675 / 6412
Email: rajasthansewasamiti1961@gmail.com
Web: www.rhhschool.org

राजस्थान सेवा समिति के लिए तीन बात जो हमेशा अहम् रही है वह है मानवसेवा, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षण सेवा। हम सब गर्वान्वित हैं जिस तरह राजस्थान हॉस्पिटल्स अपने आप में एक मिसाल बन चुकी है।

मानवसेवा के कार्य में भी हमारे साथी कभी पीछे नहीं रहे हैं। चाहे वह बाढ़ की आपदा हो या कोई और चुनौती हो। इस साल गुजरात और राजस्थान के कई गांवों अतिवृष्टि और बाढ़ के कारण काफी नुकसान हुआ और जिस तरह राजस्थान सेवा समिति के साथियों ने सेवा कार्य किये उससे मैं नतमस्तक हूँ।

शिक्षण सेवा में राजस्थान सेवा समिति हमेशा अग्रणी रही है और मुझे लगता है कि यही हमारी विशेषता है। समिति के अंतर्गत शिक्षण के जितने भी माध्यम हैं उस पर हम हमेशा कार्य करते रहे हैं। इस वर्ष हमने पूरी स्कूल का नवीनीकरण करके इसे एक नया निखार दिया है।

जितने भी अध्ययन कक्ष हैं उसमें नवीनीकरण और रंगकाम किया गया है। इसी तरह कॉफ़ेस रूम और लेबोरेटरी का भी नवीनीकरण हुआ है। हमने हर तरह के नवीनीकरण के पीछे करीबन ४० लाख रुपये की राशि लगायी है।

मुझे इस बात का विशेष आनंद है की राजस्थान सेवा समिति के माध्यम से हम काफी किफ़ायत हालांकि ना के बराबर फीस ले कर बच्चों को अच्छे से अच्छी शिक्षा देते आये हैं क्योंकि की संस्था के मूल में यही हमारा अभिगम रहा है। हमारी विशेषता यह भी रही है की राजस्थान सेवा समिति न सिर्फ बच्चों के शिक्षण पर लेकिन उनके सर्वांगीण विकास के लिए भी हमेशा कटिबद्ध रही है। हमारी बहुविध प्रवृत्तियां इसका मिसाल रही है।

मैंने जैसे प्रथम अंक में बताया था इस साल राजस्थान स्कूल के कई बच्चे अलग अलग परीक्षा में अग्रणी नंबर पर आये और हमारी यह परंपरा बनी रही। इसके लिए मैं हमारे सभी आचार्य और शिक्षक गण को उनके अच्छे कार्य के लिए बधाई देता हूँ। समर्पित आचार्यगण और उतना ही समर्पित शिक्षकगण हमारी मानो शक्ति है। राजस्थान सेवा समिति बोर्ड मैनेजमेंट की हमेशा कोशिश रही है कि पुरे स्टाफ को प्रोत्साहित रखा जाय और इस बारे में हम हमेशा तत्पर रहे हैं।

दोस्तों राजस्थान सेवा समिति के संचालन को मैंने कभी एक पिरामिड की तरह नहीं देखा जिसमें एक व्यक्ति विशेष सबसे ऊपर रहता है और निचे अलग अलग स्तर पर अलग अलग लोग अपना योगदान देते हैं। सच्ची बात तो यह है की हमारी समिति में सब लोग व्यक्तिविशेष ही है। समिति प्रमुख, समिति के पदाधिकारी, कमिटी के कन्वीनर, आचार्यगण, शिक्षकगण, और कर्मचारीगण। सब अपने आप में विशेष है और इस लिए राजस्थान सेवा समिति बेमिसाल है।

दोस्तों हम सब पदाधिकारी के लिए राजस्थान सेवा समिति एक अहम् कार्य रहा है और इसी कारण करीबन हर शनिवार हम समिति के कार्यालय में मिलते रहे हैं। जिससे समिति के हर कार्य को काफी वेग मिल सका है।

मेरे लिए खुशी की बात है कि हमारे सभी पदाधिकारी उत्साह और अनुभव का समन्वय है और फलतः पूरी टीम में नयी सोच भी आती है और हर नयी सोच अनुभव की शक्ति से और सिंचित होती है। हमारे दोनों उपाध्यक्ष श्री भेरूलालजी चौपड़ा और श्री बाबूलालजी सेखानी, हमारे मानद मंत्री श्री श्यामजी टिबडेवाल, हमारे सहमंत्री श्री राजेन्द्रजी बागरेचा एवं हमारे कोषाध्यक्ष श्री संपतजी दसानी से जिस प्रकार सहयोग प्राप्त है उसकी जितनी तारीफ करूँ वह कम ही होगी। हमारे मानद मंत्री श्री श्यामजी टिबडेवाल जैसे कदम से कदम मिलाके साथ साथ चल रहे हैं और मेरे लिये यही सच्ची हौसलाबदाई है।

हमारे सभी कमिटी के कन्वीनर अपना दायित्व काफी निष्ठा से और उत्साह से निभा रहे हैं जिसके लिए मैं उनका अभिवादन करता हूँ।

राजस्थान सेवा समिति जब स्थापित हुई तब शायद हमसे कई दोस्तों का जन्म भी नहीं हुआ होगा। जिन बुजुर्ग महानुभाव ने समिति की नींव डाली उनके प्रति हमारा सिर्फ एक ही दायित्व हो सकता है। और वह है की उनकी यह विजन सदा बनी रहे, संस्था का नाम रोशन हो और राजस्थान का पूरा समाज हमारी इस समिति के साथ जुड़ जाए।

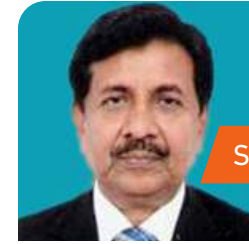
इसी सोच, विचार और अभिलाषा के साथ फिर एक बार आप सब का अभिवादन करता हूँ।

गणपतराज चौधरी
अध्यक्ष

You can never cross the ocean unless you have
the courage to lose sight of the shore.

-Christopher Columbus

HON' SECRETARY'S MESSAGE



SHYAMSUNDER TIBREWAL

Hon. Secretary

आत्मीय स्वजनों, समय की तेज गति से भागती पटरी को रोकना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है। ऐसा लगता है जैसे कल ही तो राजस्थान सेवा समिति में हम सब पदाधिकारियों की जिम्मेदारी का नया साल शुरू हुआ था और पलक झपकते मानों आधे से भी ज्यादा साल गुजर गया।

हालांकि संतोष इस बात का है कि हमारे अध्यक्ष श्री गणपतराजजी चौधरी के नेतृत्व में कई अच्छे कार्य संपन्न होने जा रहे हैं। आज तक हमारी तीन बोर्ड मीटिंग्स एवं १६ अक्टूबर की वार्षिक साधारण सभा काफी सफल रही। २६ जुलाई को गुजरात में आयी बाढ़ को ध्यान में रखके बुलाई गयी आपातकालीन मीटिंग भी गिने तो हमारी पूरी कारोबारी समिति वार्षिक साधारण सभा के अलावा चार बार मिल चुकी है। वार्षिक साधारण सभा में सर्वसम्मति से राजस्थान सेवा समिति की पुरानी ईमारत के स्थान पर बहुमाली नयी ईमारत तैयार करने का निर्णय लिया गया जिससे न सिर्फ हम अधिकतम छात्रों को शिक्षा दे पाएंगे लेकिन हर शिक्षावर्ग में उचित रौशनी, हवा एवं स्मार्ट क्लास रूम भी प्रदान कर पाएंगे। हमारी सेवा समिति के दिग्गज ट्रस्टी, श्री बाबूलालजी रूंगटा, श्री खीमराजजी जैन, श्री तेजकरणी लूणिया, श्री रमाकांतजी भोजनगरवाला एवं श्री गौतमजी जैन ने भी नयी ईमारत बनाने के समिति के निर्णय को सराहा और इस कार्य में सम्पूर्ण सहयोग का वादा किया।

राजस्थान सेवा समिति के परिसर में नूतन वर्ष के स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। काफी संख्या में सेवा समिति के सदस्य एवं ट्रस्टीज इस शुभ अवसर पर उपस्थित रहे। सभीने एक दूसरे के सस्नेह अभिवादन के पश्चात, अध्यक्ष महोदय, उपस्थित ट्रस्टीगण एवं सदस्यों ने सभा में अपने विचार तथा शुभकामनाएं प्रस्तुत की। यह अवसर सचमुच अविस्मरणीय रहा। जिस अच्छे तरीके से राजस्थान सेवा समिति की सर्व शैक्षणिक संस्थाएं अपना कार्य कर रही हैं इससे सचमुच हम सब गौरव अनुभव करते हैं। हमारा ध्यान न सिर्फ सर्वोत्तम शिक्षा देने के प्रति है लेकिन शिक्षा के अलावा और भी अनगिनत प्रवृत्तियां जो हमारे विद्यालय में होती हैं और जिस तरह कई सारी स्पर्धा में सम्मिलित होकर हमारे विद्यार्थी राजस्थान सेवा समिति का नाम रोशन करते हैं उसके लिए सभी विद्यार्थी, सभी आचार्य और शिक्षकगण अभिनन्दन के हकदार हैं।

जैसे एक तत्वचिंतक ने कहा है, "विचारशील एवं शक्तिवान व्यक्तियों का एक छोटा सा समूह दुनिया को बदल सकता है। वास्तव में दुनिया जब भी बदली है इन्हीं लोगों के द्वारा बदली गई है।" क्या हम सब ऐसे विचारशील एवं शक्तिवान व्यक्ति नहीं बन सकते?

किसी कवि ने कितना सच कहा है.....
"आये हो निभाने को जब, किरदार जमीं पर, तो.....
कुछ ऐसा कर चलो, कि खुद जमाना भी आपकी मिसाल दे।

यही शुभ चिंतन के साथ आप सब को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।



SUBHASH DASANI

Convenor,
Bulletin Committee

आप सब को नए साल की शुभ कामनाएं।

राजस्थान सेवा समिति का दूसरा अंक प्रस्तुत करते हुए आनंद और हर्ष का अनुभव करता हूँ। मुझे आनंद है की सेवा सेतु का प्रथम अंक आप सब ने सराहा है और विश्वास है की यह दूसरा अंक भी आप काफी पढ़ने योग्य पाएंगे।

हमारे अध्यक्ष श्री गणपतराजजी चौधरी के विचारों को ध्यान में रखते हुए हमारी कोशिश रहेगी कि समिति के संपन्न हुए कार्य का अहेवाल देने के साथ साथ हम कुछ ऐसे लेख भी शामिल करें जो हमारे परिवार के सर्व सदस्य पढ़ सकें। यही हमारी कोशिश इस अंक में भी रही है। पिछले दिनों समिति की वार्षिक साधारण सभा संपन्न हुई और जैसे की अध्यक्षश्री ने अपने निवेदन में बताया है, समिति ने तय किया है की समिति की पुरानी ईमारत की जगह एक नयी बहु मंजिला ईमारत खड़ी की जाए। जरूर इस कार्य संपन्न होते समिति की प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी और हम और अच्छी सुविधाएं हमारे विद्यालय के सब छात्रों को दे पायेंगे।

मित्रों समिति के इस मुखपत्र को अधिकतम पढ़ने योग्य बनाना हमारा लक्ष्य है और उसी कारण आप सब से नम्र निवेदन है की मुखपत्र के बारे में आप जरूर आप के विचार और सुझाव हमें बताते रहे ताकि हम मुखपत्र में बदलाव लाते रहें।

हम सब को फख है की समिति शिक्षण, आरोग्य और समाज सेवा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ रही है।

राजस्थान सेवा समिति ने कितनी लम्बी मंजिल तय की है, कितने सारे आयाम कायम किये हैं और उसका राज शायद एक ही है की समिति के सदस्य कभी विपरीत परिस्थितियों से मात नहीं हुए हैं। उनका दर्शन रहा है,

"क्यों डरे?
जिंदगी में क्या होगा?
हर वक़्त क्यों सोचे की, बुरा होगा।
चलो बढ़ते रहे,
मंजिलों की और हम,
कुछ भी न मिला तो क्या?
तंजुर्बा तो नया होगा।

आप सब भी आप के कार्यक्षेत्र में निरंतर प्रगति करते रहे ऐसी ही शुभ कामना है।



BHANWARLAL JAIN

Convenor,
Rajasthan Bhawan Committee

चूंकि स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई जून-२०१७, प्रथम सत्र दौरान चली एवं द्वितीय सत्र दौरान चल रही है, फलस्वरूप जितने दिनों अवकाश रहा उसमें बिजली के काम, कड़िया काम, प्लंबिंग काम संपादित हुए। सोलर एनर्जी प्लांट शुरुआत करने की शीघ्रता को ध्यान में रखते हुए छत पर कड़िया काम करवाया एवं लोहे की जाली बनवा दी गई ताकि सोलर पैनल इनवर्टर की छेड़छाड़ न कर सकें। हीराबाग साइड वाली स्कूल बिल्डिंग की दीवाल का प्लास्टर ऊपर से नीचे तक तोड़ा गया है। कंपाउंडवाल वाली साइड के समिति हॉल की तोड़ी गई दीवाल पर

ऊपर से नीचे तक सीमेंट प्लास्टर कार्य करवाया है। पुराने Wooden Windows हटाकर नये Windows दीवालों में लगाने बाकी हैं। नये HD CC TV CEMARA लगाने नक्की किये गये थे अतः पुराने सीसी टीवी कैमरा हटाकर नये HD CC TV कैमरे लगाये गये एवं उनमें दो महीनों तक के रिकॉर्डिंग रहे, सरकारी कायदों अनुसार, ऐसी व्यवस्था भी की गई।

भवन कमिटी ने समिति कैम्पस सिक्यूरिटी एवं बच्चों के आवा गमन (ट्राफिक) सुधार कार्य में काफी सतर्कतापूर्वक रत हैं।

भवन कमिटी के सदस्य तन-मन-धन से एक जुट होकर अपनी सेवा दे रहे है एवं कार्य संभाल रखे हैं। सदस्यों ने सेवा की लोकोपकारी भावना को जीवित रखा है जो अन्यों को भी प्रेरणास्पद हैं।

नये स्कूल प्रोजेक्ट बाबत कमिटी का गठन एवं आर्किटेक्ट की नियुक्ति बाबत बिन्दुओं पर कार्यकारिणी मीटिंग में निर्णयाधीन है।



TEJKARAN LOONIA

Convenor,
Gyanodaya School Committee

अहमदाबाद जैसे महानगर में न जाने कितनी शालाएँ बेहतर और बेहतरीन प्रदर्शन की होड में दौड रही है जिनका ध्येय मात्र शैक्षणिक रूप से बालक का विकास नहीं अपितु बालक का सर्वांगीण विकास है। माता पिता भी उच्च फीस वहन करके भी अच्छी शालाओं में ही बालकों का पढाना चाहते हैं। ऐसे ही ध्येय को रखने वाली शालाओं में से एक नाम शाहीबाग स्थित ज्ञानोदय प्राथमिक शाला का भी आता है। यहाँ कम शुल्क में बालको को वे सभी सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जाती हैं जो अन्य अधिक फीस वाली स्कूलों में मिलती है।

राजस्थान सेवा समिति संचालित ज्ञानोदय हिंदी/अंग्रेजी शाला ने बालको के विकास हेतु शाला को कम शुल्क में अधिक साधन सम्पन्न बनाया है। इस शाला का लक्ष्य गीली मिट्टी सद्श बालक को इमानदार, कर्तव्य निष्ठ, परोपकारी, उर्जावान, अध्यनशील बनाना है जिससे हमारा समाज और राष्ट्र सशक्त बनें।

हमारे यहाँ आधुनिक युग की आवश्यकताओ को ध्यान में रखते हुए स्मार्ट क्लास, कम्प्यूटर लैब, विज्ञान प्रयोगशाला स्तरीय पुस्तकालय एवं खेल मैदान की उचित व्यवस्था की गई है।

बालको को शिक्षित करने में शिक्षको का महत्वपूर्ण योगदान रहता है इसलिए यहाँ पर नियुक्त किए गए सभी शिक्षकगण प्रशिक्षित एवं अपने अपने विषयों के ज्ञाता है।

बालाको को केवल किताबी ज्ञान देने से ही उनका समग्र विकास नहीं होता है इसलिए शिक्षण को रोचक एवं संपूर्ण बनाने के लिए बालकों को चित्र -नृत्य,संगीत एवं हस्त शिल्प की भी शिक्षा दी जाती है। शाला में विभिन्न अवसरों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते है जो हमारे शहर में प्रसिद्ध है। शाला में बालको में नेतृत्व क्षमता, देश प्रेम एवं उच्च मूल्यों के विकास हेतु स्काउट - गाइड, कब्स - बुलबुल की प्रवृत्तियों का आयोजन किया जाता है। बालक स्थान विशेष एवं समाज में सामंजस्यपूर्ण ढंग से रह सके इस गुण को विकसित करने के लिए उन्हें विभिन्न स्थानों पर प्रवास के लिए ले जाया जाता है।

हम समय-समय पर शिक्षक अभिभावक मिटिंग भी रखते है और हमारे शिक्षण से संबंधित सुझाव का भी स्वागत करते हैं। बच्चों का शैक्षणिक स्तर समान रूप से सुधरे इस के लिए शाला समय के बाद अतिरिक्त कक्षाएँ निःशुल्क लगाई जाती हैं जिससे कमजोर छात्रों का शिक्षण स्तर सके।

गरीब बच्चों की आर्थिक कठनाईयों के मदेनजर उन्हें निःशुल्क पुस्तक तथा गणवेश दिया जाता है तथा जरूरतमंद की फीस भी माफ की जाती है।

शाला कि उत्कृष्ट गतिविधियों के कारण शाला का नाम पुरे शहर में प्रसिद्ध है तथा जाने माने विधालयों में हमारे विधालय कि गणना होती है। हर वर्ष 2-2 सीटो के लिए 100 - 100 फार्म आते है जो हमारी शाला की उत्कृष्टता का घोटक है।

हमारी शाला का अनुशासन उत्कृष्ट कोटि का है सभी विधार्थी प्रेम पूर्ण ढंग से भाईचारे के साथ विधालय में पढ़ते है। मै ,शिक्षा की देवी माँ शारदा से करबद्ध प्रार्थना करता हूँ कि हमारी शाला उतरोत्तर प्रगति करते हुए देश की सेवा करे।



VIVEKKUMAR SHROFF

Convenor,
Computer Committee

Rajasthan Schools have always placed high emphasis on imparting good quality "Computer Education" to the students along with other subjects.

The school is "Happy to Have" a team of sincere and competent teachers who use state-of-the-art "Computer Lab" to make students truly conversant with computers.

Over last few years, Gujarat Government has mandated teaching of "Linux based Curriculum" in the field of Computer and Rajasthan Schools has been in the forefront of adopting Linux based education right from Std. 1. In fact the schools strive to prepare students to face "Board Examinations" as also for its real life applications.

The centre has a team of nine teachers headed by Mrs Krishna Engineer.

In recent developments, we have added one "Intel i7 Server" to enable graphics intensive video editing applications for students. We have also added one more projector so that now we have two projector enabled computer labs. Similarly three more CCTV cameras have been added with internet monitoring for a total of six cameras for the three labs.

We have arranged quiz competition on 23rd Dec. 2017 for students of Std. 11 and 12. Similar kind of Quiz Competition is also being held on 26th Dec. and 6th Jan. for students of Std. 7 and 8. We are happy that Students enthusiastically participate in such computer related activities.

We have also arranged training sessions for teachers to keep them updated with new developments in the field, and for the "Evolving Curriculum for Linux".

The computer centre has three air-conditioned labs equipped with three Dell servers and one Intel i5 server connected with 66 client computers with broadcasting facility. High-speed internet connection is monitored by firewall to avoid objectionable content. The presence of such rich "Computer Infrastructure" enables our schools to provide excellent facilities to the students to practice individually on computers which is the need of the hour.

The school also maintains a library of science magazines and books and teachers encourage students to read the same. Students are also exposed to such computer related learning through Educational Videos.

Study material including worksheets are regularly distributed to students. Students are encouraged to take colour printouts of their work. Students also come during free periods and recess hour for guidance from teachers and for doing projects which require internet facility.

We deeply admire the fact that the computer teachers play a constructive role in preparing students for outside quiz contests and science fairs.

The computer centre regularly conducts activities like "Computer Fair" showcasing the projects made by students and also conducts quiz contests amongst students.

Kindly do share your suggestions to "Computer Committee" through the Email : rajasthancomputerdept@gmail.com. Rajasthan Sewa Samiti will make all needed efforts to ensure the best computer education for our students, amongst the schools in the stat



BABULAL SEKHANI

Convenor,
Sahpathi Committee

सहपाठी दोस्तों को मेरा अभिवादन,

इस बार राजस्थान सेवा समिति ने अपना मुखपत्र उन सब सहपाठीओं को भी भेजा है जो राजस्थान सेवा समिति के सदस्य नहीं बने हैं। मुझे विश्वास है कि मुखपत्र के माध्यम से आप राजस्थान सेवा समिति की गतिविधियों की ओर ज्यादा जानकारी पा सकेंगे।

मेरा हमारे सभी सहपाठी दोस्तों से अनुरोध है कि आप राजस्थान सेवा समिति के सदस्य बन जाएँ और इस संस्था में हो रही अनगिनत समाज सेवा की प्रवृत्ति में आपका सहयोग दें।

राजस्थान सेवा समिति, अपनी शाहीबाग स्थित दो इमारतों में से एक इमारत की जगह एक नयी बहुमाली इमारत बनाने जा रही है जिससे हमारी सेवाकीय और शैक्षणिक गतिविधि को काफी वेग मिलेगा और हमारी वर्तमान की और भविष्य की कई आवश्यकताएँ भी सम्पन्न हो सकेंगी।



OMPRAKASH KEDIA

Convenor,
National Welfare Committee

लगभग ६१ वर्ष पूर्व हमारे सुविज्ञ बुजुर्गों के अथक प्रयास स्वरूप स्थापित वर्तमान “ राजस्थान सेवा समिति “ आज पूर्ण पुष्प पल्लवित दिखायी दे रही है।

“सेवा परमो धर्मः “सिद्धांत के अनुरूप अपनी समिति निरंतर जन सेवा में आगे बढ़ रही है। भूतकाल में जब, जब भी देश में कही भी, बीमारी, भूकंप, अतिवृष्टि कहीं या विगत अगस्त, सितम्बर में अपने गुजरात, राजस्थान में आये बाढ़ की बजह से लाखों लोग घर-बार छोड़कर जहाँ आश्रय मिला वहाँ रहने को मजबूर हुए, उस समय में तुरंत अपनी समिति के स्वयंसेवक, खाद्य सामग्री, कपडा ताड़पत्री, खाट, टॉर्च, कम्बल आदि आवश्यक वस्तुओं को लेकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में गए, तथा आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया।

आज बदलते समय के अनुरूप हम कुछ नई योजनाओं पर विचार कर रहे हैं।

- स्वच्छता अभियान के तहत मलिन वस्तियों में शौचालय का निर्माण।
- सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत एक स्कूल चलाना, जिसमें प्रारंभिक शिक्षा का प्रबंध होगा।
- स्थानिक स्तर पर अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल में कैंसर के र्दियों को तथा उनके संबंधी को निःशुल्क टिफिन व्यवस्था।

मैं आशावादी हूँ कि माननीय बोर्ड मेम्बर, अध्यक्षश्री, मंत्रीश्री एवं ट्रस्टियों के सहयोग से यह लक्ष भी शीघ्र ही सिद्ध कर लिया जाएगा।

सभी माननीय सहयोगियों के सहयोग की अपेक्षा के साथ



BHERULAL JAIN

Convenor, Rajasthan
Hindi High School Committee

मैं राजस्थान सेवा समिति के सदस्य के रूप में करीबन ३३ वर्ष पूर्व जुड़ा। श्री नेमिचंदजी का मेरा संपर्क व्यावसायिक हेतु से हुआ उन्होंने मेरी पार्श्व भूमिका मेरा शिक्षण एवं शैक्षणिक जानकारी प्राप्त की ओर मुझे सन १५-१६ में राजस्थान सेवा समिति द्वारा संचालित राजस्थान हिंदी हाईस्कूल के सहसंयोजक के रूप में कार्य करने के लिए अवसर प्राप्त हुआ। उसके अगले चुनावी वर्ष १८-१९ में संयोजक, स्कूल कमिटी चेयरमैन/कन्वीनर के रूप में कार्य करने के लिए दायित्व सौंपा गया और इस पुनीत कार्य का निरंतर दायित्व प्राप्त होता रहा जिसका निर्वहन आज तक निष्ठापूर्वक कर रहा हूँ।

मेरे शैक्षणिक जीवन में मैंने हाईस्कूल १९६४ से लेकर अनुस्नातक (एम.ए.) राजनीति शास्त्र १९७० तक निरंतर प्रथम स्थान एवं विश्वविद्यालय में विशेष स्थान प्राप्त किया है और १९७१-७२ में राजनीति शास्त्र के व्याख्याता के रूप में भी चयन हुआ, एवं गवर्नमेंट कोलेज धौलपुर में सेवारत रहा। मुझे केंद्र से नेशनल स्कॉलरशिप राजस्थान सरकार द्वारा मेरिट स्कॉलरशिप, यूनिवर्सिटी द्वारा यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप मिलती थी। सन १९७२ में IAS की परिक्षा में अंग्रेजी विषयको छोड़कर प्रथम प्रयास में ही ५८.६०% अंक प्राप्त हुए।

१९७२-७३ में अहमदाबाद आकर वस्त्र व्यवसाय में अपना कार्य आरंभ किया और धीरे धीरे वस्त्र निर्माता के रूप में कार्य को आगे बढ़ाया। करीबन १९८५ से व्यवसायिक जीवन के साथ साथ सामाजिक एवं अध्यात्मिक क्षेत्र में अपनी सेवाएं प्रदान करना प्रारंभ किया एवं २००२ तक संपूर्ण रूप से सामाजिक सेवाओं में मैंने राजस्थान हिंदी हाईस्कूल, राजस्थान हॉस्पिटल, प्रेक्षा भारती, विज्ञान अकादमी आदि विभिन्न संस्थाओं में अपने को (ट्रस्टी के रूप में) जोड़कर सेवाएं देने का उपक्रम किया जो निरंतर जारी है। मैंने अपने आपको शिक्षा, चिकित्सा एवं अध्यात्म से जुड़ी सेवाओं से जोड़ा क्योंकि शिक्षा जीवन बनाती है, चिकित्सा जीवन बचाती है और अध्यात्म जीवन के उद्देश्य को प्राप्त करवाता है।

राजस्थान सेवा समिति से जुड़ने के साथ ही उससे जुड़े सीनियर सदस्यों ने मेरे कार्य से संतुष्ट होकर मुझे में विश्वास करना प्रारंभ कर दिया और मुझे १९९९ में स्कूल संचालन का दायित्व देने के साथ मुझे यह भी आश्चर्य किया कि आप निर्णय लें हम आपके साथ हैं और इसी कारण मैंने १९९९ में तत्कालीन शिक्षामंत्री एवं पश्चात में मुख्यमंत्री रही श्रीमती आनंदीबेन पटेल के हाथों के अध्यापकों को योग की ट्रेनिंग दिला कर स्कूल में जीवन-विज्ञान ध्यान योग का प्रारंभ करवाया।

और सन २००० में राजस्थान इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल सेल्फ फाइनेंस (नई स्कूल) का भी शुभारंभ किया। सन २००० से पूर्व शाहीबाग क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम में ११ एवं १२ की कक्षाओं का अभाव था और छात्र छात्राओं के लिए यह बहुत आवश्यकता थी। उस समय हमारे वरिष्ठ सदस्यों ने मुझे निर्णय लेने को कहा ओर मेरे पास ४ दिन का समय था। और उसमें अध्यापकों की व्यवस्था कर जून-२००० से उसे प्रारंभ किया, ओर यह सेल्फ फाइनेंस स्कूल जो कि विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न आयामों को प्राप्त करने वाली बनी है। इसमें आंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम के तीन बार कार्यक्रम हो चुके हैं। और इसके विद्यार्थियों ने बोर्ड में प्रथम स्थान भी प्राप्त किया है। मुझे अभी तक के सभी कार्यक्रमों में सदस्यों के द्वारा प्रोत्साहन प्राप्त होता रहा। जिसमें मैंने विभिन्न नए आयामों को संस्था में जोड़ा है।

राजस्थान हिंदी हाईस्कूल के संयोजक के रूप में १९९९ से जुड़ने के पश्चात् उसके लिए चिंतन कर विभिन्न निर्णय लेने का दायित्व मुझ पर आया। मैंने ९६ तक के तीन वर्ष के सहसंयोजक के रूप में प्राप्त अनुभव के आधार पर विभिन्न नई बातों का समावेश करता गया। ओर इसमें संस्था के सदस्यों का साथ तो मिला ही उसके साथ साथ अध्यापकों का भी पूर्ण सहयोग मिला क्योंकि उनके बिना विभिन्न निर्णयों की क्रियान्वंती संभव नहीं थी।

सर्व प्रथम १९९९ में सेवानिवृत्त प्रिंसिपल श्री जे. पी. पांडेजी के स्थान पर नये प्रधानाचार्य का चयन करना था। तीन बार के प्रयासों के पश्चात श्रीमती शैलजा नायर का चयन करना संभव हुआ। तत्पश्चात आज तक करीबन पूरे अध्यापन कार्य करने वाले स्टाफ का चयन किया, जो की श्रम साध्य तो था ही क्योंकि सही अध्यापकों का चयन ही शिक्षण के स्तर को सुधारने के लिए बहुत जरूरी है और मैंने अध्यापकों के चयन में जो श्रम किया उसमें पूर्ण संतोष है। सही चयन के द्वारा छात्र-छात्राओं के प्रति न्याय किया जा सकता है।

छात्रों में वर्तमान समय में अत्यधिक प्रतिशत अंक प्राप्ति की दौड़ और अभिभावकों का छात्र पर दबाव के मदेनजर यह आवश्यक था, कि बच्चों को ध्यान से शिक्षण एवं प्रयोग से तनावमुक्त, भयमुक्त एवं सकारात्मक सोच वाला बनाया जाए, और यह कार्य भी हमने सन २००० से प्रारंभ किया। आज उसका स्वरूप छात्रों को एवं उनके प्रदर्शनों को देखने का आनंद प्रदान करता है।

बच्चों में अनुशासन एवं साहस का पाठ जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है, और यह अनुशासन यदि प्रारंभ से ही परिवार एवं स्कूल से ही सिखने को मिले तो जीवन अनुशासन में ढल जाता है। और यह व्यक्ति के जीवन के लिए अति आवश्यक भी है। अनुशासित नागरिक देश का भविष्य सुंदर करने में सहयोगी होता है। उसके साथ साथ शारीरिक क्षमता एवं साहस का भी समावेश अपेक्षित है। और उसके लिए हमने स्कूल में एन. सी. सी एअरविंग का बहुत प्रयत्नों एवं प्रयासों के द्वारा प्रारंभ किया। शुरू में यह छात्रों के लिए था, और बाद में छात्राओं के लिए भी प्रारंभ करवाया। और उसके फलस्वरूप छात्र छात्राओं में अनुशासन, साहस एवं शारीरिक क्षमता का विकास करने का प्रयत्न किया गया। हमारी इसी

स्पष्ट लक्ष्य
भावना, बौद्धिकता सुभग संगम
जनतांत्रिक संगठन
अनुभव की पूंजी
व्यापक... उदार... सेवा दृष्टि
सर्वोदय की भावना
बस यही एक
राजस्थान सेवा समिति

एन. सी. सी की एक छात्रा ने मुख्यमंत्री आनंदीबेन की वेबसाइट पर बेस्ट केडेट ऑफ़ गुजरात के रूप में स्थान प्राप्त किया एवं २६ जनवरी को दिल्ली परेड में भी उसे हिस्सा लेने का अवसर मिला।

कक्षाओं में ऑडियो विजुअल प्रोजेक्टर के द्वारा शिक्षण, अध्यापकों को लैपटॉप के द्वारा पाठ तैयार कर, ब्लैक बोर्ड के साथ साथ प्रोजेक्टर द्वारा विषय का व्यवस्थित प्रतिपादन विद्यार्थियों को प्रदान करने का भी प्रारंभ किया। जो कि आज स्मार्ट क्लास रूम के नाम से जाना जाता है। यह कार्य हमने पहले ही प्रारंभ कर दिया था। और इसके लिए शिक्षकों को ट्रेनिंग दिलाई गई थी। ई-लायब्ररी का भी समावेश इसके लिए किया गया। वर्तमान समय विज्ञान के प्रति रुझान का समय है, और हमारे यहाँ प्रारंभ में व्यवसाय एवं उद्योग से जुड़े होने से छात्र छात्राओं की रुचि कॉमर्स में रहती थी। कॉमर्स के साथ-साथ विज्ञान में भी छात्रों की रुचि बढ़े, इसके लिए सेल्फ फाइनेंस में अंग्रेजी माध्यम से विज्ञान को पढ़ाने का आयोजन किया, हमारे यहाँ पी.आर. एल., इसरो, सायंस सिटी, प्लाज्मा रिसर्च सेंटर, विक्रम साराभाई सेंटर आदि विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ मिल कर उनके वैज्ञानिकों को हमारे यहाँ आमंत्रित कर सेमीनार का आयोजन कर बच्चों को विज्ञान में रुचि लेने वाला बनाया। सुनीता विलियम जैसी अंतरिक्षी प्रतिभा से बच्चों की मुलाकात करने का, एवं समय समय पर सायंस सेमीनार के द्वारा चंद्रयान, मंगलयान के अभियान में भाग लेने वाले वैज्ञानिकों को बुलाकर उनसे छात्र छात्राओं को प्रेरित होने का भी अवसर निरंतर देते रहे हैं। गुजरात सायंस एकेडेमी भी विज्ञान में छात्रों की अभिरुचि बढ़े उसके लिए हमारे साथ सहयोग करती रही हैं, और इसी के फलस्वरूप हमारे छात्रों को विज्ञान में आगे अध्ययन करने के लिए शिष्यवृत्ति भी ऑफर होती रहती है। इस वर्ष ९ छात्रों को और पिछले वर्ष १७ छात्रों को सायंस में आगे अध्ययन के लिए गुजरात सरकार की तरफ से प्रति वर्ष ८०००० रु छात्रवृत्ति ऑफर हुई है। विभिन्न तरह के इतर शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन भी करते रहे हैं तीन वर्ष में एक बार विद्यालय में स्पोर्ट्स वीक एवं सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन करते रहे हैं, जिसमें इन आयोजनों में बच्चों को अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता रहता है। संस्कृति से अवगत होना विभिन्न प्रवासों का आयोजन के साथ विज्ञान के छात्रों को विभिन्न तरह के संस्थानों में भेजकर उनकी कार्यविधि को देखने का अवसर देते रहते हैं। टेक्सटाइल, मेडिकल, फार्मा, फूड, डेरी आदि विभिन्न उद्योगों में छात्र जाकर प्रत्यक्ष निदर्शन करते हैं। जिनसे अपने आगे के अध्ययन की दिशा प्राप्त कर सके।

विभिन्न तरह के शिक्षा क्षेत्र आज वर्तमान समय में उपलब्ध है जिसमें छात्र अपना जीवन बना सकते हैं उसकी जानकारी भी कैरियर कॉर्नर के द्वारा छात्रों को प्रदान की जाती है। छात्रों के स्वास्थ्य संबंधी देखरेख की जाती है उनका स्वास्थ्य चेकअप करवाना और रोगग्रस्त छात्र छात्राओं को आगे किसी तरह की अपेक्षा है तो उसे सहयोग करना आदि कार्य भी किया जाता है। निबंध प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला आदि विभिन्न प्रवृत्तियों में छात्रों को अपने व्यक्तित्व को निखारने का अवसर प्राप्त करवाया जाता है। और इसमें विभिन्न नये आयामों को भी हमने जोड़ा है।

राष्ट्रीय उत्सवों १५ अगस्त, २६ जनवरी के अवसर पर पूरे उत्साह एवं उल्लास के द्वारा इसका आयोजन किया जाता है और करीबन १८, १९ वर्षों से निरंतर विभिन्न तरह के वैज्ञानिकों, शैक्षणिक जगत के व्यक्तित्वों एवं विभिन्न तरह के दक्षता प्राप्त व्यक्तियों को आमंत्रित कर उनके द्वारा बच्चों को प्रेरित होने का अवसर देते रहते हैं। ऐसे लोगों को उसमें आमंत्रित करते हैं जो अपने अपने क्षेत्र में अपना विविध योगदान दे रहे हैं और जिनसे बच्चे प्रेरणा ले सकते हैं।

परिसरमें खेलकूद के लिए स्थान का अभाव है फिर भी वालीबाल में बच्चे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर जाते रहते हैं, तथा विभिन्न इनडोरगेम का आयोजन उनके लिए करते हैं। छात्रों की संख्या को ध्यान में रख कर एक महिला पी.टी. टीचर का भी चयन किया है जिससे छात्रों की विभिन्न तरह की प्रवृत्तियों का प्रारंभ कर सके, तथा छात्रों की स्वयं की सुरक्षा के लिए कराटे, जुडो सिखाना और उनमें स्वयं की सुरक्षा का साहस एवं आत्मबल प्राप्त करवाना है।

विभिन्न तरह की गतिविधियों के लिए शिक्षकों को समय समय पर प्रोत्साहित करते रहते हैं। समाज के बच्चों को यहां पर निम्नतम आर्थिक भार के द्वारा शिक्षा दी जा सके इसी तरह का आयोजन करते हैं। बच्चों के अंदर सामाजिक सेवाओं में रुचि बढ़े इसके लिए उनको प्रवृत्त करते हैं। बच्चों में नशामुक्ति, नैतिकमूल्य एवं मानवीय गुणों का विकास हो सके एवं संवेदना शून्य न बने इसके लिए जीवन विज्ञान, पर्यावरण क्लब, साप्ताहिक गोष्ठी आयोजित होती हैं।

राजस्थान हिंदी हाईस्कूल का प्रारंभ हुए ५५ वर्ष होने जा रहे हैं प्रारंभ में यह हिंदी माध्यम की स्कूल थी। धीरे धीरे जब अंग्रेजी माध्यम की आवश्यकता महसूस की जाने लगी तब सरकार ने इन्ही अध्यापकों के द्वारा अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा प्रदान करने की अनुमति दी और हमारे शिक्षकों के सहयोग से यह संभव भी हुआ। वर्तमान में ३/४ कक्षाएं अंग्रेजी माध्यम से व १/४ कक्षाएं हिंदी माध्यम से संचालित हो रही हैं।

हमारा विद्यालय करीबन ३३०० स्कवायर यार्ड में हैं, उसमें दो पाली में करीबन ३२०० विद्यार्थी एवं २०० स्टाफ कार्यरत है। यह स्थान शहर के मध्य में होने से छात्र छात्राओं के लिए बहुत उपयोगी है। इसका विस्तार यदि किया जाए तो यह और अधिक सेवाओं के लिए उपयोगी बन सकता है।

साथ ही साथ यह स्कूल गुजरात बोर्ड के अंतर्गत आती है। वर्तमान समय में हमारा समाज व्यवसाय एवं उद्योग में सक्षम बना है और एक ऐसे वर्ग के छात्र छात्राओं को अन्य बोर्ड सी.बी.एस.सी. अथवा आई बी आदि की आवश्यकता महसूस होती रहती है तो यदि इस तरह के उपक्रम का भी आयोजन हो सके तो समाज के लिए वह भी उपयोगी बन सकता है। समाज के चिंतन शील लोग यदि शिक्षा और उसमें भी विद्यालयी शिक्षा की उपयोगिता को समझे तो कोई भी उपक्रम असंभव नहीं है।

Sahiba

ROYALTY TO BE ADORNED

“SAHIBA” a collection of Bridal Vilandi jewellery, inspired from the Mughal era, with the grandeur of Diamonds, Rose-cuts, Rubies, Emeralds and Pearls.



By

K·ZINZUWADIA
LEGACY

JODHPUR CROSS ROAD, SATELLITE, AHMEDABAD. ☎ 079-26926662/64

www.kzlegacy.com 📱 @/kzinzuwadialeagacy



BABULAL SEKHANI

Vice President,
Rajasthan Sewa Samiti

श्री बाबुलालजी सेखानी ने साल २०१३ से आजतक राजस्थान सेवा समिति के उपाध्यक्ष का कार्यभार संभाला हुआ है। आप सन १९८९-९३ में संस्था के कोषाध्यक्ष भी रह चुके हैं। फिर २०१०-२०१३ के कार्यकाल में आप समिति के सहमंत्री भी रहे। आप सब से पहले जब कार्यकारिणी समिति में, साल १९८९-९३ में, कोषाध्यक्ष के रूप में आये तब संस्था के अध्यक्ष श्री बृजभूषणलालजी काबरा थे।

श्री बाबुलालजी सेखानी राजस्थान सेवा समिति के साथ काफी लम्बे अरसे से जुड़े हुए हैं। आप ने चार साल तक राजस्थान हिंदी हाई स्कूल में पढाई भी की जहाँ आपके सहपाठी रहे डॉ. श्रीयमुनाजी दत्त, श्री आर. आर. जैन जो हाईकोर्ट में न्यायाधीश रहे, श्री भीमराजजी अग्रवाल, जो समिति के कोषाध्यक्ष रह चुके थे और ऐसे कई अनगिनत नामीग्रामी विद्यार्थी।

श्री बाबुलालजी सेखानी ने राजस्थान सेवा समिति के कम्प्यूटर विभाग को संसाधन करने में प्रशंसीय कार्य किया है। पूर्व में आप कम्प्यूटर कमिटी के सह-संचालक रह चुके हैं। आप की विज्ञान और प्रारंभिक कार्य की बदौलत आज राजस्थान सेवा समिति से संलग्न विद्यालयों का कम्प्यूटर विभाग काफी संपन्न है।

वर्तमान में आप सहपाठी कमिटी के कन्वीनर हैं जिस सहपाठी मंडल की सदस्य संख्या ३५० से भी ज्यादा है।

श्री बाबुलालजी सेखानी एक काफी सफल व्यवसायी होने के अलावा समाज और धर्म के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से हमेशा जाग्रत रहे हैं और इसी कारण पिछले कई सालों से आप कई संस्थान से जुड़े हुए हैं। आप वर्तमान में राजस्थान हॉस्पिटल्स के सहमंत्री हैं। आप तेरापंथ सेवा समिति के भी ट्रस्टी हैं और पुरे तेरा पंथ की प्रधान कमिटी "कल्याण परिषद" के आप सदस्य हैं।

श्री बाबुलालजी अहमदाबाद में कोबा स्थित प्रेक्षा विश्व भारती संस्था के भी वर्तमान अध्यक्ष हैं। आपके मार्गदर्शन में प्रेक्षा विश्व भारती ने अध्यात्म-योग, जीवन-विज्ञान एवं साधना शिक्षा के क्षेत्र में काफी नए आयाम हांसिल किये हैं। प्रेक्षा सेवा समिति की "महाप्रज्ञ नैचरोपेथी एन्ड योगा इन्स्टीट्यूट" अपने आप में एक मिसाल है।

श्री बाबुलालजी सेखानी ने अपने गहरे अनुभव और हकारात्मक रवैये के कारण हर संस्था जहाँ आप जुड़े हैं वहाँ काफी सम्मान पाया है।

श्री सेखानीजी ने बताया की राजस्थान सेवा समिति के लिए नयी बहुमाली ईमारत बनाना सच में एक "ड्रीम प्रोजेक्ट" है। समिति के अध्यक्षश्री, सब ट्रस्टीज, पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी के सब सदस्य इस प्रोजेक्ट के लिए काफी उत्साहित हैं और यही बताता है की यह कार्य अवश्य और शीघ्र संपन्न होगा।



BHERULAL CHOPRA

Vice President,
Rajasthan Sewa Samiti

श्री भेरुलालजी चौपड़ा राजस्थान सेवा समिति से काफी सालों से जुड़े हुए हैं और समिति की जो बात आपको बेहद पसंद है वह है समिति का "राष्ट्रवादी" झुकाव। राजस्थान सेवा समिति के स्थापकों ने कभी इस संस्था को सिर्फ राजस्थान के लोगों के लिए समित न समझकर उसे एक राष्ट्रिय परिमाण दिया है क्योंकि हिंदी हमारी राष्ट्र भाषा है और यही समिति की विशिष्टता है ऐसा श्री भेरुलालजी का मंतव्य है।

श्री भेरुलालजी चौपड़ा कई साल राजस्थान सेवा समिति के पदाधिकारी भी रहे हैं। सन २००७-१३ के सात साल आप संस्था के कोषाध्यक्ष रहे। २०१३ से आज पर्यन्त आप ने उपाध्यक्ष का कार्यभार संभाला हुआ है।

श्री भेरुलालजी खुद राजस्थान हिंदी हाई स्कूल के विद्यार्थी रहे हैं। इसी शाला में आपने आपकी शिक्षा प्राप्त की है और इसी कारण राजस्थान सेवा समिति से आपका पहले से काफी लगाव रहा है।

श्री भेरुलालजी याद करते हैं की अहमदाबाद में एक वक़्त था जब हिंदी माध्यम से शिक्षा देने वाली एक भी शाला नहीं थी तब राजस्थान सेवा समिति ने राजस्थान हिंदी हाई स्कूल की स्थापना करके यह शून्यावकास को दूर किया था।

अब जब राजस्थान सेवा समिति नयी ईमारत का निर्माण करने जा रही है तो श्री भेरुलालजी का मानना है की नयी बहुमाली ईमारत से समिति की लम्बे समय की जरूरत परिपूर्ण होगी।

विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लासेज मिलेंगे और कई सारी सुविधाओं की उपलब्धि से हर विद्यार्थी को एक एहसास होगा की वे अहमदाबाद की एक श्रेष्ठ शाला में पढ़ रहे हैं।

राजस्थान सेवा समिति के अलावा श्री भेरुलालजी कई सारी धार्मिक और सेवाकीय संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। आप बालोतरा जैन मित्र मंडल के फाउंडर चेयरमैन रहे हैं।

आप विश्व प्रसिद्ध "प्रेक्षा विश्व भारती संस्था" के भी उपाध्यक्ष हैं। इसके अलावा आप राजस्थान हॉस्पिटल्स के कायमी बोर्ड मेम्बर हैं। और भी कई सारी संस्था से आप जुड़े हैं जैसे की अहमदाबाद केमिकल एसोसिएशन, केमिकल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया, टेक्सटाइल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया और आप (JITO) जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गनाइजेशन के भी सदस्य हैं।

श्री भेरुलालजी एक बेहद सफल व्यवसायी भी हैं। आपकी दीर्घदृष्टि और साहसिक वृत्ति के कारण आपके अलग अलग साहस जैसे की १) कुमार इंडस्ट्रीज, २) एडवांस केमिकल कोर्पोरेशन, ३) आईको फूड्स लिमिटेड इत्यादि ने सफलता के अभूतपूर्व आयाम हांसिल किये हैं।

श्री भेरुलालजी हमेशा मानते हैं की इंसान को सिर्फ अपने लिए ही ना जीकर समाज और धर्म के लिए भी अविरत अपना योगदान देते रहना चाहिए क्यों की अंत में आपने समाज में पायी हुई इज्जत ही आपकी रहती है।

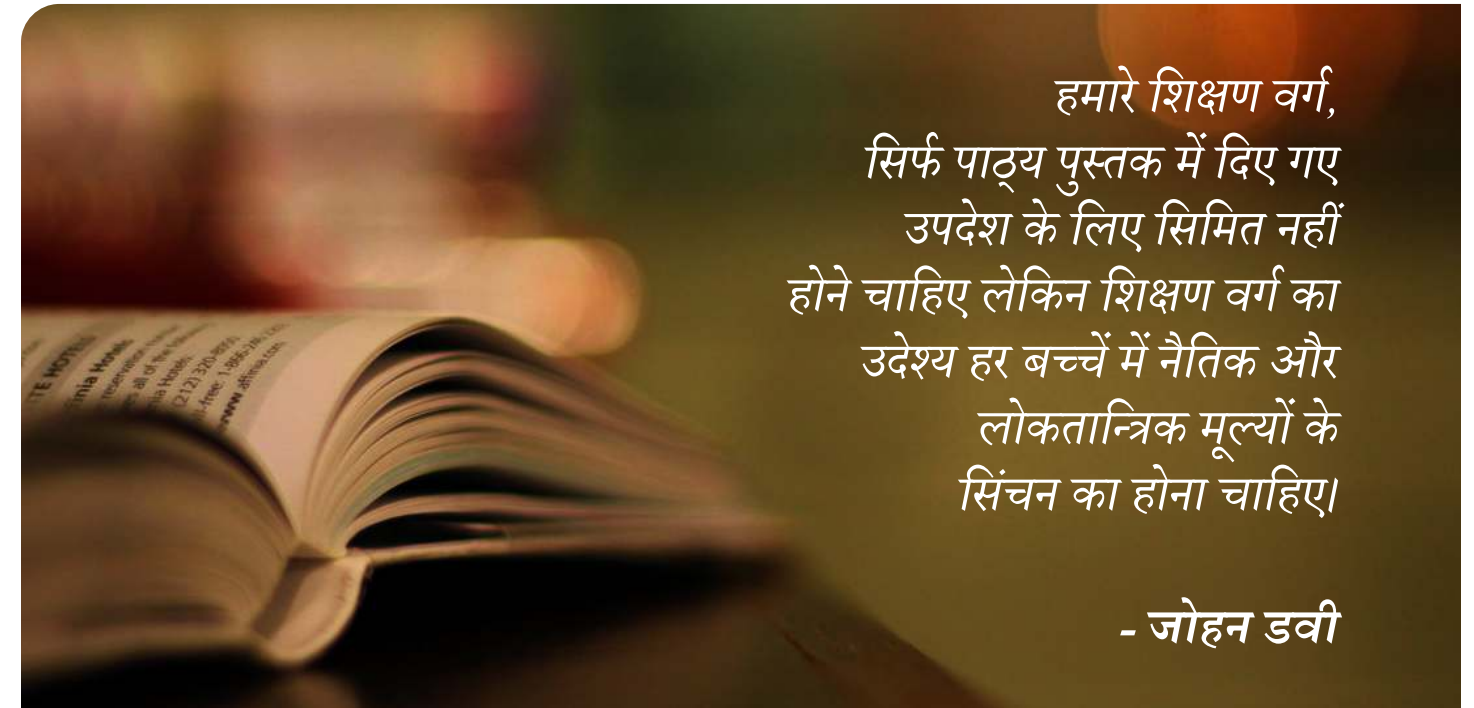


RAJENDRA GOENKA

Member, Rajasthan
Hindi High School Committee

राजस्थान हिंदी हाई स्कूल कमीटी में समाविष्ट सदस्य निम्नलिखित हैं:

- | | | |
|-------------------------------------|---|---|
| १) श्री भेरुलालजी जैन, संयोजक | ५) प्रोफेसर विजयजी कोठारी (निरमा) सदस्य | ९) श्री पुखराजजी तातेर, सदस्य |
| २) श्री मदनलालजी रांका, सह संयोजक | ६) श्री अशोककुमारजी भंसाली, सदस्य | १०) श्री महेन्द्रजी जीरावाला, सदस्य |
| ३) श्री तेजकरणजी लूणिया, पदेन सदस्य | ७) श्री महावीरजी एस. चौधरी, सदस्य | ११) श्री मुकेशजी एस. चौधरी, सदस्य |
| ४) श्री सुभाषजी एम. दसाणी, सदस्य | ८) श्री पारसमलजजी बागरेचा (समदरी) सदस्य | १२) श्री राजेन्द्रजी एस. गोएन्का, सदस्य |



हमारे शिक्षण वर्ग,
सिर्फ पाठ्य पुस्तक में दिए गए
उपदेश के लिए सिमित नहीं
होने चाहिए लेकिन शिक्षण वर्ग का
उद्देश्य हर बच्चों में नैतिक और
लोकतान्त्रिक मूल्यों के
सिंचन का होना चाहिए।

- जोहन डवी



कार्यकाल	अध्यक्ष	उपाध्यक्ष
१९६१-६४	श्री झाबरमलजी भोजनगरवाला	श्री माणिकलालजी तोदी श्री अजीतमलजी पारख
१९६४-६७	श्री कृष्णजी अग्रवाल	श्री कन्हैयालालजी कानोडिया श्री राधाकिशनजी केडिया
१९६७-७०	श्री विजयनारायणजी सोमानी	श्री गिरधारीलालजी सराफ श्री ओमकारमलजी मातनहेलिया
१९७०-७३	श्रीकृष्णजी अग्रवाल	श्री लक्ष्मी निवासजी रूंगटा श्री सम्पतराज शाह
१९७३-७६	श्री विजयनारायणजी सोमानी श्री गोरधनदासजी एन. गुप्ता	श्री लजपतरायजी अग्रवाल श्री खीमराजजी जैन
१९७६-८०	श्री गोरधनदासजी एन. गुप्ता	श्री ओमकारमलजी अग्रवाल श्री बनवारीलालजी कानोडिया
१९८०-८४	श्री अशोककुमारजी डागा	श्री गिरधारीलालजी सराफ श्री बृजभूषणलालजी काबरा
१९८४-८९	श्री बृजभूषणलालजी काबरा	श्री गिरधारीलालजी सराफ श्री ओमप्रकाशजी सुल्तानिया
१९८९-९३	श्री गोरधनदासजी एम् गुप्ता श्री बृजभूषणलालजी काबरा	श्री ओमकारमलजी अग्रवाल श्री शिवभगवानजी अग्रवाल
१९९३-९६	श्री खीमराजजी जैन	श्री राधेश्यामजी सरावगी श्री गौतमकुमारजी जैन
१९९६-९९	श्री खीमराजजी जैन	श्री राधेश्यामजी सरावगी श्री कांतिलालजी कांकरिया
१९९९-२००२	श्री गौतमकुमारजी जैन	श्री राधेश्यामजी सरावगी श्री नेमीचंदजी बागरेचा
२००२-२००७	श्री खीमराजजी जैन	श्री श्यामसुंदरजी रूंगटा श्री श्रेयसजी दूगड़
२००७-२०१०	श्री खीमराजजी जैन	श्री श्यामसुंदरजी रूंगटा श्री नगराजजी छाजेड़
२०१०-२०१३	श्री श्यामसुंदरजी रूंगटा	श्री नगराजजी छाजेड़ श्री गणपतराजजी चौधरी
२०१३-२०१७	श्री श्यामसुंदरजी रूंगटा	श्री बाबूलालजी सेखानी श्री भैरूलालजी चोपड़ा
२०१७-२०२०	श्री गणपतराजजी चौधरी	श्री बाबूलालजी सेखानी श्री भैरूलालजी चोपड़ा

मानदमंत्री	सहमंत्री	कोषाध्यक्ष
श्री गिरधारीलालजी सराफ	श्री उमाशंकरजी मुकीम	श्री रामगोपाल बवानीवाला
श्री बालकिशनजी सराफ	श्री मुरलीधरजी सरावगी	श्री मूलचंदजी दसाणी
श्री ओमकारमलजी अग्रवाल	श्री श्यामसुन्दरजी अग्रवाल	श्री गोविंदराम रूपराम अग्रवाल
श्री ओमकारमलजी अग्रवाल	श्री रामगोपालजी सिंधी	श्री मूलचंदजी दसाणी
श्री भगवतस्वरूपजी अग्रवाल	श्री जगमोहनजी अग्रवाल	श्री शिवभगवानजी अग्रवाल
श्री खीमराजजी जैन	श्री ओमप्रकाशजी सुल्तानिया	श्री गोविंदराम रूपराम अग्रवाल २६.९.१९७९ (देहांत) श्री शिवभगवानजी अग्रवाल
श्री सम्पतराज सी शाह	श्री ओमप्रकाशजी सुल्तानिया	श्री शिवभगवानजी अग्रवाल
श्री खीमराजजी जैन	श्री गोरधनदासजी एम् गुप्ता	श्री नेमीचंदजी बागरेचा
श्री खीमराजजी जैन	श्री महेन्द्रसिंहजी महेता	श्री बाबूलालजी गोविंदराम सेखानी
श्री नगराजजी छाजेड़	श्री महेन्द्रसिंहजी महेता	श्री भीमराजजी लेखरामजी अग्रवाल
श्री नगराजजी छाजेड़	श्री वंशराजजी भंसाळी	श्री भीमराजजी लेखरामजी अग्रवाल
श्री श्रेयसजी दूगड़	श्री विवेकजी सराफ	श्री वंशराजजी भंसाळी
श्री विवेकजी सराफ	श्री बृजमोहननाथजी मोदी	श्री चन्द्रप्रकाशजी चोपड़ा
श्री विवेकजी सराफ	श्री पुखराजजी मदानी	श्री भैरूलालजी चोपड़ा
श्री महेन्द्रसिंहजी महेता	श्री बाबूलालजी सेखानी	श्री भैरूलालजी चोपड़ा
श्री सम्पतराजजी चौधरी	श्री राजेंद्रकुमारजी बागरेचा	श्री सम्पतराजजी दसाणी
श्री श्यामसुन्दरजी टिबडेवाल	श्री राजेंद्रकुमारजी बागरेचा	श्री सम्पतराजजी दसाणी



FORMER TRUSTEES (1964-2011)



Late Shri Yodharaj Bhojnarwala



Late Shri Ghanshyamdas Podar



Late Shri Maniklal Todi



Late Shri Ganeshmal Dugar



Late Shri Vinodkumar Kanodiya



Shri Kailashkumar Kanodiya



Late Shri Raghuvirprasad Agrawal



Late Shri Vijaynarayan Somani



Late Shri Shrikrushna Agrawal



Late Shri Gordhandas Gupta



Late Shri Sampatraj Shah



Shri Babulal Rungta



Late Shri Mulchand Dasani



Late Shri Hiralal Jirawala



Late Shri Mithalal Shah



Late Shri Rajendrakumar Tikmani

OFFICE BEARERS, TRUSTEES & EXECUTIVE COMMITTEE MEMBERS (2017-2020)



Ganpatraji Chowdhary
President



Babulalji Sekhani
Vice President



Bherulalji Chopra
Vice President



Shyamsunderji Tibrewal
Hon. Secretary



Rajendrakumarji Bagrecha
Hon. Jt. Secretary



Sampatji Dasani
Hon. Treasurer



Babulalji Rungta
Trustee (2011-22)



Khimraji Jain
Trustee (2011-22)



Tejkaranji Loonia
Trustee (2011-22)



Ramakantji Bhojnarwala
Trustee (2011-22)



Gautamji Mithalalji Jain
Trustee (2016-22)



Shyamsunderji Rungta
Permanent Member



Mahaveerji S Chowdhary
Permanent Member



Maganji Tejraji Salecha
Permanent Member



Sampatraji Burad
Permanent Member



Chhagalalji Mehta
Permanent Member



OFFICE BEARERS, TRUSTEES & EXECUTIVE COMMITTEE MEMBERS (2017-2020)



Vansrajji Bhansali
Permanent Member



Hariprasadji
Bhojnagarwala
Permanent Member



Loonchandji Kankariya
Permanent Member



Sheetalkumarji Agrawal
Permanent Member



Anilji B. Kanodia
Permanent Member



Radheshyamji
Chowdhary
Permanent Member



Babulalji Shermalji
Maloo
Permanent Member



Jeetmalji Parekh
Permanent Member



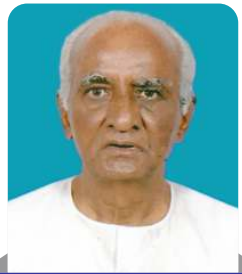
Madanlalji Mehta
Permanent Member



Rajendraji S. Goenka
Permanent Member



Mahendrakumarji
Bhansali
Permanent Member



Madanlalji Gemavat
Permanent Member



Rajmalji Kanunga
Permanent Member



Bherulalji Jain
Member



Omprakashji B. Kedia
Member



Subhashji M. Dasani
Member

OFFICE BEARERS, TRUSTEES & EXECUTIVE COMMITTEE MEMBERS (2017-2020)



Vivekkumarji Shroff
Member



Bhanwarlalji Jain
Member



Ashokkumarji Bhansali
Member



Vinodji S. Bajoria
Member



Mahendraji M. Shah
Member



Rajivkumarji M. Chhajed
Member



Laxmichandji M. Madani
Member



Hanumanprasadji Gupta
Member



Rajkaranji Bardia
Member



Bhanwarlalji K. Chopra
Member



Jitendrakumarji L. Mehta
Member



Pruthvirajji B. Jain
Member



राजस्थान सेवा समिति, अहमदाबाद का दीपावली, नववर्ष स्नेह-सम्मेलन दिनांक २०-१०-२०१७, शुक्रवार को प्रातः ९.०० बजे समिति प्रांगण में आयोजित किया गया। समिति के ट्रस्टीगण, पदाधिकारीगण, सदस्यगण करीबन २०० महानुभाव उपस्थित हुए। सामाजिक, धार्मिक, शिक्षा, चिकित्सा एवं जीवदया क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले समिति के सदस्य परस्पर शुभकामनायें देते हुए, एक दुसरे से मुलाक़ात करते हुए समिति प्रांगण की शोभा बढ़ा रहे थे। पंडाल में मंच पर भजन गायिका श्रीमती अमिताबेन शाह लोकोपकारी कार्यों की भावना वाले भजनों एवं फरमाइशी भजनोंवाली सुरावलियां फैला रही थी। सभी सदस्यगण सुसज्ज बने पंडाल समिति हॉल में लाल जाजम पर चल कर पधारे एवं अपनी कुसियों पर विराजमान हुए।

भजन के बाद माइक पर मानदमंत्री श्री श्यामजी टीबडेवाल ने माइक संभाला एवं अपनी ओर से सभी को दीवाली, नववर्ष स्नेह-सम्मेलन में पधारने का स्वागत करते हुए ट्रस्टीगण, पदाधिकारीगण आदि को माइक पर शुभकामनायें देने हेतु आमंत्रित किया एवं स्वयं ने भी शुभकामनायें दी।

सर्व प्रथम ट्रस्टीमंडल श्री बाबुलालजी रंगटा, खीमराजजी जैन एवं रमाकांतजी भोजनगरवाला ने एक एक कर माइक पर दिवाली, नववर्ष पर सभी को शुभकामनायें दी एवं सभी स्वस्थ, संपन्न रहे ऐसा कहा। समिति प्रांगण में नई स्कूल बिल्डिंग बनने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है, इस पर उन्होंने नववर्ष एवं दीपावली के अवसर पर खुशी व्यक्त की। और ट्रस्टीमंडल ने कहा कि दीवाली का राम- राम करते हैं।

धार्मिक एवं जीवदया कार्य में उल्लेखनीय कार्य करने वाले हमारे श्री वंसराजजी भंसाली ने माइक पर आकर दिवाली की शुभकामनाएं दी एवं स्कूल बिल्डिंग कार्य में आगे बढ़ने हेतु सभी को प्रेरणात्मक प्रवचन किया।

संपतराजजी चौधरी एवं अन्य सदस्यों ने भी अपनी ओर से शुभकामनाएं दी।

युवा अध्यक्ष श्री गणपतराजजी चौधरी ने पर्यावरण संरक्षक की ओर एवं स्वच्छ भारत मिशन की ओर ध्यान आकृष्ट किया। नयी कमिटी के पदाधिकारियों ने प्रति सप्ताह मीटिंगे की, फलस्वरूप नई बिल्डिंग बनाने की रुपरेखा तैयार की गई। स्कूल बिल्डिंग के टॉयलेट्स तोड़कर नये बनाये। नये सिर से बिल्डिंग रिपेयरिंग,

रंग रोगन सामान लगा कर इस प्रकार किये की पुरानी बिल्डिंग एक नयी सी लगने लगी है।

भवन कमिटी के सभी सेवा भावी कार्यकर्ता महानुभाव इस कार्य में जुट गये हैं।

नई स्कूल बिल्डिंग बनने की दिशा में कार्य शुरू हो रहा है। कार्यकारिणी बैठक दिनांक २५-०९-२०१७ में एवं ५६वीं वार्षिक साधारण सभा सभा दिनांक १६-१०-२०१७ में इसकी स्वीकृति ली गई है ऐसा बताया। १५ से १८ महीने का समय नई बिल्डिंग के कार्य में लगेगा। "सेवा ज्योत" की बुलेटिन (त्रैमासिक) शुरू की गयी है। "सहपाठी" कमिटी भी अच्छे कार्यक्रम देने के लिए संकल्पशील है। समिति कार्यों में संकल्प करके बढ़ने वाले को हमेशा तन, मन, धन, से समिति परिवार ने सहयोग दिया है और हम भी इसी भावना के साथ कि आप का सहयोग मिले पुनः दीपावली एवं नववर्ष सभी को सुखमय, मंगलमय एवं स्वास्थ्यप्रद रहे।

मंत्री श्री श्यामजी टीबडेवाल ने सभी को धन्यवाद देते हुए पुनः शुभकामनाएं दी। हॉल में बैठे सभी सदस्य महानुभावों को काजू, द्राक्ष के पैकेट वितरण किये गये। श्री शंकरलालजी मुकेशकुमारजी चौधरी द्वारा रखे गये आज के अल्पाहार में सभी को अल्पाहार लेने का अनुरोध किया। जिसका सबने सहर्ष लाभ लिया एवं अपनी ओर से धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रातः १०.४५ बजे के आस पास स्नेह सम्मेलन संपन्न हुआ।



राजस्थान सेवा समिति, अहमदाबाद की ५६वीं वार्षिक साधारण सभा दिनांक १६-१०-२०१७, सोमवार को प्रातः १०.०० बजे समिति कॉन्फ्रेंस हॉल में हुई जिसमें कुल ७४ सदस्य महानुभाव उपस्थित हुए।

आज की बैठक श्री गणपतराजजी चौधरी की अध्यक्षता में हुई।

इस सभा के समक्ष विगत बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई जिसे सर्वसम्मत स्वीकृत किया। तदुपरांत अध्यक्षश्री ने अपने हस्ताक्षर किये एवं एजेंडा हाथ में लिया।

समिति एवं अंगभूत संस्थाओं, राजस्थान भवन, राजस्थान हिंदी हाईस्कूल, राजस्थान इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल, ज्ञानोदय शिशु मंदिर, ज्ञानोदय हिंदी प्राथमिक शाला, ज्ञानोदय इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल, राजस्थान स्कूल्स कंप्यूटर विभाग, सहपाठी, राजस्थान इंस्टिट्यूट फॉर प्रोफेशनल स्टडीज़ का हिसाबी वर्ष २०१६-२०१७ का लेखा परीक्षक (ऑडिटर) द्वारा जांचा हुआ तलपट एवं आय विवरण इस सभा के समक्ष रखा गया। उपस्थित सभासदों ने इनकी ब्योरेवार जानकारी ली एवं इसे सर्वसम्मति से स्वीकृत कर पारित किया।

राजस्थान सेवा समिति एवं इसकी अंगभूत संस्थाओं (Allied Institutions) का वर्ष २०१६-२०१७ का वार्षिक विवरण इस सभा के समक्ष रखा गया। इसमें समिति एवं समिति संचालित प्रवृत्तियों की उपलब्धियों, योजनाओं एवं प्रवृत्तियों का विस्तृत विवरण दिया गया। इसे सभा ने सहर्ष, सर्वसम्मति से स्वीकृत किया।

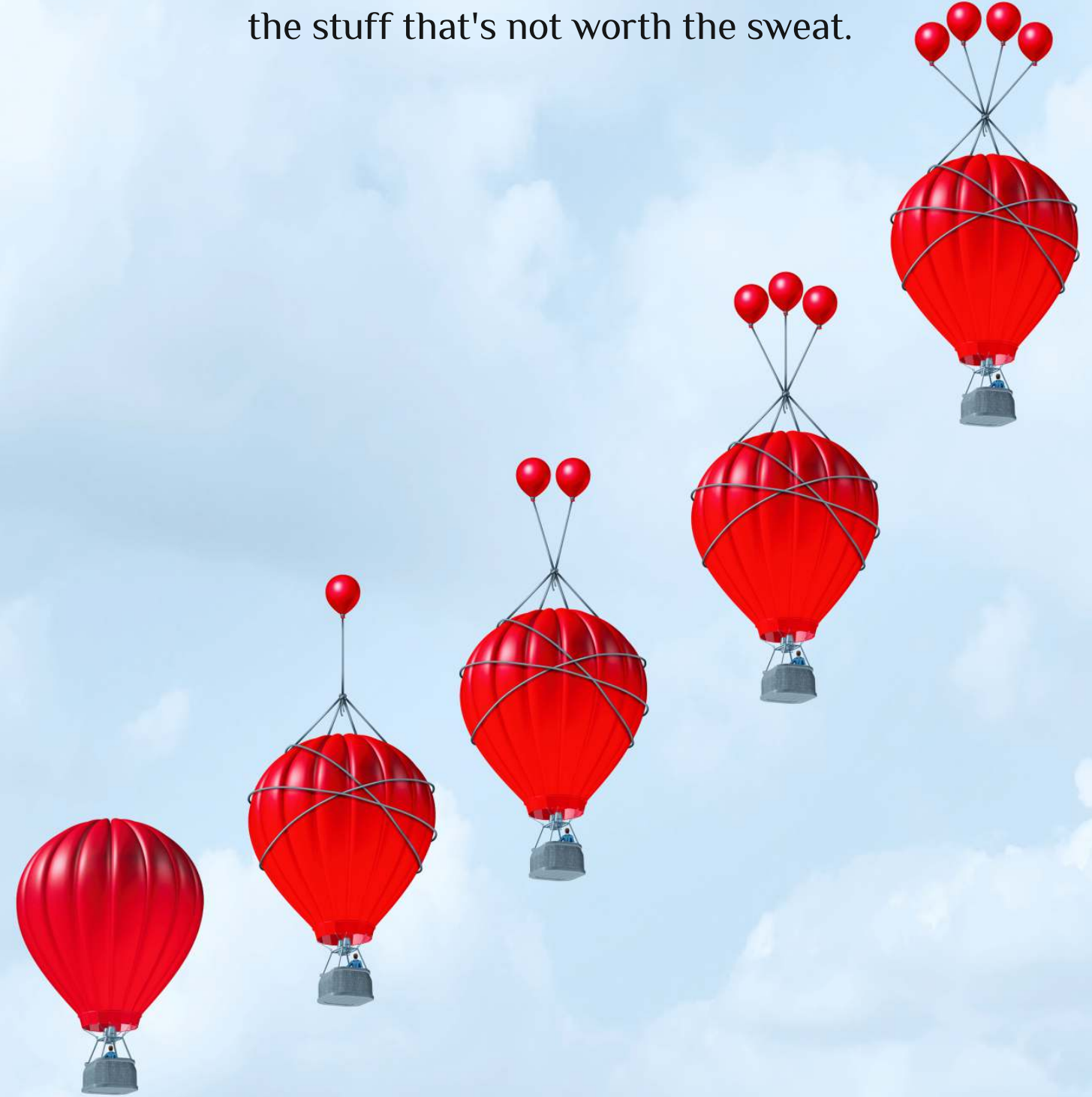


इस सभा ने हिसाबी वर्ष २०१७-२०१८ के लिए मेसर्स मेहता लोढ़ा एंड कंपनी, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, अहमदाबाद को लेखा परीक्षक (auditor) नियुक्त किया एवं उनकी फीस (शुल्क) राशि रु १५०००/- (अखरे रूपया पंद्रह हजार मात्र) स्वीकृत किया।

अध्यक्षश्री ने बताया कि नई स्कूल बिल्डिंग बनने की दिशा में चर्चा विचारणा करने के बाद सर्व सम्मति से तय किया की नई स्कूल बिल्डिंग समिति कैम्पस में ही बने।



As important it is that you give your very best and a little more in all your actions, it is equally important that you never sweat the stuff that's not worth the sweat.





BERKSHIRE HATHAWAY INC.

The second richest man in the United States of America, Warren Buffett is known for his earthly wisdom. In fact there are thousands of people who are eager to attend the Annual Meeting of "Berkshire Hathaway", the company where Warren Buffett is the Chairman & CEO, since every moment of this meeting enriches you with wisdom and insight.

In the recent Annual Meeting Warren Buffett shared this advice with the young generation,

"When you go out in the world, look for the job you would take if you didn't need the money."

We have often seen that great fortunes are made when someone is passionate about something. The entire "Money & Reward" part is only secondary. When you follow your passion and emerge as a top notch person in the field of your choice, your demand would be so great that "Money" would be the off-shoot of your success.

With this view in mind, our whole educational system should be focused on identifying the talent & potential of each and every student and then we should give enough opportunities to these students to hone their talent. In the process not only will we have more accomplished youths, but they will ensure prosperity of their community and also the nation as a whole.

The greatest reward in life always is to have the freedom to do what you really love to do and in the process becoming so adept at your craft that money comes to you as a by-product.

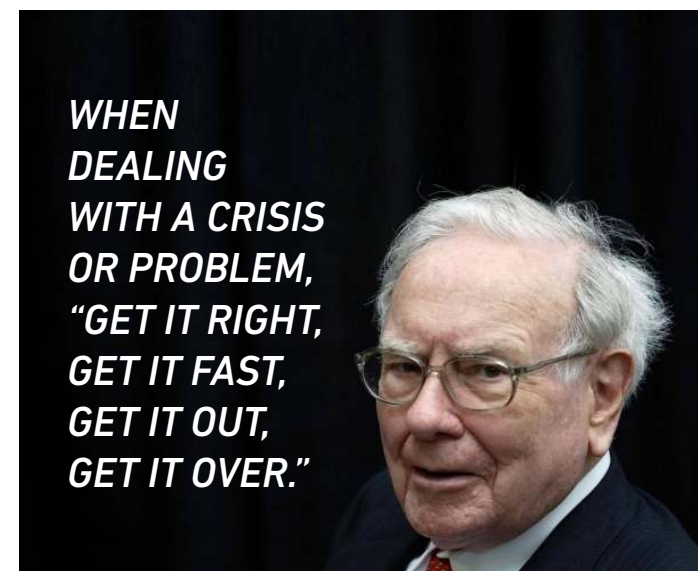
Following are some of the thoughts of Warren Buffett on Life & Career. I have further elaborated each point.

- When dealing with a crisis or problem, "get it right, get it fast, get it out, get it over."

Whenever there is a crisis situation, do not close your eyes like a pigeon does when it sees the approaching cat. Pigeon thinks that by closing the eyes, since it cannot see the cat, the cat doesn't exist and it can't kill the pigeon. This is a dangerous assumption. Whenever there is a crisis, understand it fully, look it in the face, take it by the horn and get rid of it without wasting any time.

- Stay within your circle of competence. The most important thing is not how big that circle is, but that you know where the perimeter is. "How do you beat Bobby Fisher? Play something other than chess."

First identify what you are best at. Then just remain within your "Circle of Competence" and every day strive to make your "Circle of Competence" bigger & bigger. You should always know your boundaries, the perimeter of your "Circle of Competence" and not to waste your time, energy and resources by trying to do something else which you are not good at. If you want to win over Bobby Fisher, the World Chess Champion, you can only win over him if you play with him some other game than Chess, because as far as Chess is concerned, Bobby Fisher is within his "Circle of Competence".



- Work for a company of people you admire. Write down the qualities of the people you admire most—these are habits, developed over time—and you can build them in yourself.

Always surround yourself with people whom you admire. Choose to work with such people. Constantly learn from their qualities because each of their qualities is the result of their hard work over a long period of time.

- Since we sit in the shade of trees others have planted, we should plant some ourselves if we have the means.

You must constantly show your gratitude for all the good things in life you have received by trying & striving to make the community and the world a better place to live for your fellow human beings as also for future generations. Greatest satisfaction does not come from how rich you are, but from the fact that how much you have contributed back.

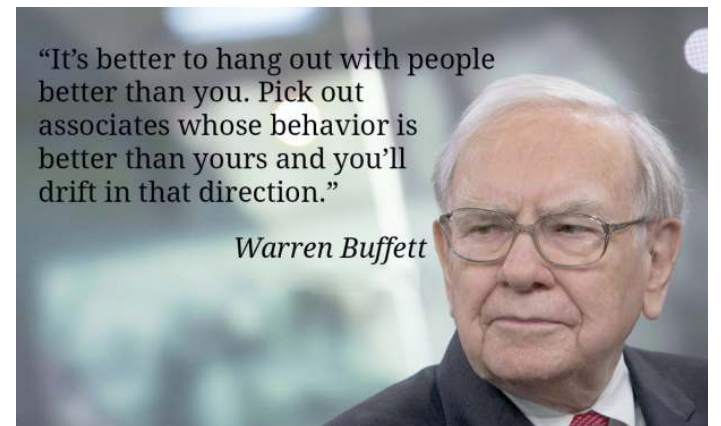
- Improving your ability to communicate makes you at least 50 percent more valuable.

Learn to communicate well. Mix with people. Remember your childhood days when you might have fallen a few times while learning to walk, but now as an adult, even if you wish you would hardly fall while walking. So keep communicating and you will be successful at it.

- Time is the precious asset. Buffett doesn't believe in determining how to live his life based on how other people expect him to live.

This advice of Warren Buffett resonates with a similar advice given by Steve Jobs, the founder of "Apple Inc". He rightly said, "Your time on the earth is limited. Do not waste it living other people's dreams".

- Think through what you want in life. The main things are interesting activities and great friends. You can't make a mistake doing something you enjoy with your life. You'll be a better person.



Warren Buffett

Do Interesting Things and have great friends who last for a life time and you will never regret a single day of your life.

- Get out there and do it. Always move forward. Take some risks. "A lot of good things happen by accident." If you do something you love, good things happen.

Long back I had read, "Success often goes to those who dare and act. It hardly goes to the people who are always afraid of consequences." So every second keep on doing some good work, taking risks and there good chances that a big fortune must be waiting for you.

- On the most important job any of us will have: parenting. As parents, we have to be teachers and we don't get a chance to hit the reset button. We should know that it isn't what we say, it's what we do. And never forget about the power of unconditional love.

This is the most important advice from Warren Buffett who is known as "The Oracle of Omaha." As parents we must be Role Models to our children. We must ensure that our children feel proud to say time and again, "We love you Papa & We love you Mom."

Ganpatraj Chowdhary
President



DR. SHAILAJA NAIR

Rajasthan
Hindi High School

Right since its moments of inception, Rajasthan Sewa Samiti has ceaselessly aimed at providing exemplary education to the children from all walks of life in our various educational institutions. Rajasthan Sewa Samiti firmly believes that to have the best of the Principals at the helms of the affairs at all our schools is "Half the Battle Won".

Dr. Shailaja Nair, Principal, Rajasthan Hindi High School is an embodiment of this philosophy that Rajasthan Sewa Samiti has always believed in. Meeting her, in just a few seconds of interaction, one can realize that here is a lady for whom the field of education is not a source of employment, but it is the quest to nurture the hearts & souls of future generations.

Dr. Shailja is the daughter of an Army Major. She always had convent education since her father would have frequent transfers at various Army locations. It was a Happy Go Lucky life for her and her siblings. Then there was a catastrophe. When Dr. Shailaja was barely 13 years of age, she lost her father. All of a sudden the very way of carefree living received a jolt. All equations & priorities changed overnight. However Shailaja's mother stood firmly with the children, rock-solid and ensured their best education.

Dr. Shailaja then got married and came to Ahmedabad. At the age of 19 years she began her career with Rajasthan Hindi High School. She still remembered one of the questions posed to her during her Job Interview, "Since ours is a Hindi Medium School, would you be able to understand Hindi Language." Her reply was in the affirmative. We could see that she is equally at home with Hindi, English, Gujarati etc.

While the first big catastrophe for Dr. Shailaja was that of losing her father at her tender age of 13 years, the second catastrophe fell on the family when she lost her dear husband who succumbed to Dengue fever.

However even when he was seriously ill, he kept on pleading Dr. Shailaja to keep pursuing her PHD degree. In a way receiving PHD is Shailja's tribute to her husband. All throughout the tragic period, there was no compromise the way Dr. Shailaja continued to lead "Rajasthan Hindi High School" from the front. Gods in heaven however wanted to test her will.

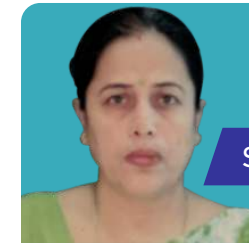
One day she was diagnosed with the dreaded disease of Cancer. Big catastrophe for Dr. Shailaja and family. But here is a lady who believes in setting examples. She fought with the disease tooth and nail and incredibly, not only she came out of the disease victorious, but today she is a source of counselling to innumerable cancer patients.

When the "Sewa Jyot" team met her she was selecting/ shortlisting essays from the students to be submitted to the renowned organization "Helpage India". And interestingly the subject of the essay was, "When I am 60, what story would I tell to the youths." Having talked with Dr. Nair we knew that she indeed has an excellent story to tell to the youths, the story of courage, perseverance, ambition, vision, ethics, moral and never say die spirit.

- We would like to share some of the nuggets from the talk.
- Parents are unnecessarily pampering children. If they need one pencil, parents would give 5 pencils. Their argument always is, "Because we were deprived of good things, we must give more and more to our children."
- The priority should be to teach values than giving more and more material things. Dr. Nair remembered that her father would tell her that even a small pencil stub must be utilized till the very end, until it serves its purpose.
- Parents should just provide best platform for education and inculcate in them good values. Then let them fend for themselves.
- Rather provide new thoughts & new direction to the children.
- Children should be taught that there is no shame in doing one's own work however small or menial.

Sitting there in her cabin we were impressed to look at various citations including the certification given to Rajasthan Hindi High School in "Sanskrit Gaurav Pariksha". One more in the field of "National Level Art Competition" by Rangotsav Sanstha and many more.

Dr. Shailja showed us a register where parents had scribbled their remarks. Among innumerable positive compliments we were touched by the following; "Good & well trained staff. Good environment. Good infrastructure. Excellent leading & guidance by Principal Mam. Co. Operative staff members. Nature of all staff members is very good."



SUNITA THAKUR

Gyanodaya School
Noon Shift

Right since its moments of inception, Rajasthan Sewa Samiti has ceaselessly aimed at providing exemplary education to the children from all walks of life in our various educational institutions. Rajasthan Sewa Samiti firmly believes that to have the best of the Principals at the helms of the affairs at all our schools is "Half the Battle Won".

Mrs. Sunita Thakur, Principal, Gyanodaya School, Noon Shift is embodiment of this philosophy that Rajasthan Sewa Samiti has always believed in.

It was a pleasure meeting her and gaining insight how the education is being imparted at Gyanodaya School.

Mrs. Thakur joined the organization as Assistant Teacher in the year 1992 and was elevated to the office of Principal in the year 2003. Since then she has been providing exemplary leadership to the school.

Mrs. Thakur is Bachelor of Science as well as Bachelor of Education. Education is indeed her inherent passion. Her happy persona was the proof of her commitment to school's multifarious activities. When we talked with her, she had just come out of debilitating surgery and yet her enthusiasm was quite visible the way she talked with us.

While parting we asked Dr. Shailaja Nayar about her own Life Credo and she shared with us a beautiful verse penned by herself.

**"He stands tall
Not because he has had no fall
He stands tall
Because he has faced them all."**

This lady, certified by NCC Directorate Gujarat as the "Best Co.ordinating Principal" has indeed faced many "Falls". However all those "Falls" have fallen but she has stood tall & un-trodden."

She mentioned that her focus in life has always been hard, dedicated work accompanied by holiness of heart. Not only does she herself live by this credo but she ceaselessly strives to instil these qualities in all students at "Gyanodaya". In fact she tells the students that they must "Believe in themselves" so as to overcome all obstacles on their way forward.

The "Sewa Jyot" team was touched when Mrs. Thakur mentioned, "We do not merely educate children, rather we prepare them for their future."

She mentioned that the way of education at "Gyanodaya" is to first have a "Reading" of the Textbook lesson and then the thorough discussion of each lesson so that not only does the student understand the nuances of the lesson but what is taught becomes part of his/her personality.

She remarked about the best use of "Library" at Rajasthan Sewa Samiti schools where all the students in the class are given one book each. Then they are encouraged to exchange the books among themselves. Six months' time is given to read these books and then all the students are given new books and a new round of reading & circulating begins.

Sunita Thakur was all praise for Rajasthan Sewa Samiti management. In fact she found herself at loss of words in her praise for the management who have been constantly thinking about the betterment of the school & the students, about personal care and about high level of hygiene & cleanliness of the school campus.



MRS. JAYSHREE KARIKAN

Gyanodaya English Medium
Primary School and Shishu Mandir

A warm welcome to the New Year 2018 and wish everyone a very happy and prosperous year.

Excellence in academics is the hallmark of any good institution. In today's fiercely competitive world, being a book worm alone does not make a student complete. Apart from the academic demands, they need to be nurtured, promoted and encouraged to participate and exhibit their multifarious talent in different areas of sports and co-curricular activities. We have been seriously pursuing this every year and this year also we are proud that with the cooperation and whole-hearted participation of dedicated staff-members we could successfully organize a host of activities for classes from Jr. KG to VIIIth Std.



RAVINDRASINH KACHCHHAVA

Rajasthan English
Higher Secondary School

"Passion is one great force that unleashes creativity because if you are passionate about something then you are more willing to take risks."

I feel privileged and proud to share my experience as an educator here in this esteemed institution (R.E.H.S.S.) managed by Rajasthan Sewa Samiti. This temple of knowledge is to make the students realize the worth of science and to inculcate passion for science in the hearts of our students. Our institution is the imparter of the best and to be a giver always to create the best scientific personals of future. The work here is taken as a team under guidance of our management and with our students we try our best to impart the teaching learning process in the most modern way. Teacher here is a potter and student is clay which is moulded in the most perfect shape by him. The first most important step taken by us is to build confidence in them and to realize their

Our school is striving hard to be among the best schools in the area. We aim to understand the needs of the students, see them sail through successfully with confidence and set their foot into the mainstream as a responsible citizen. We always explore different means to inspire the students so that we can extract the maximum out of them. As a step towards this we conduct many extra-curricular activities as a physical motivation and picnics as a means of entertainment to rejuvenate them. We also had broad interaction with the parents with a clear purpose to persuade them to devote more time towards their wards and engage them seriously in their studies.

All the good-work of the school has been possible with the cooperation, guidance and encouragement of the management committee and also with the participation and cooperation of parents.

We take this opportunity to express sincere thanks to all who contributed to its successful accomplishment.

potentials. As there is a rat race in life and everyone is a part of it and the same also applies to careers. Here students are given various fields of action from which they can choose like medical, paramedical, engineering, research and other areas. This is an era of expertise so knowledge in depth is essentially imparted. Remaining a Jack of all trades is not going to help hence to become a master of what a student can do the best is found and a realization of the same is made to the students.

As little knowledge is dangerous so every effort is made to make the student learn the entire topic with fullest information. The seminars, speeches, the visiting Professors of P.R.L., I.S.R. O. And other medical areas are made available to the students. Actions speak louder than words and so does the results of the past many years of our school. Srujal Jain the board topper who made the school proud and also cleared NEET and got admission in a reputed Medical college of Ahmedabad this year was followed by four other students who got admission in M.B.B.S. course after clearing NEE examination.

The name, fame, popularity and earning of science students makes the study of science more attractive and they too dream big to be a person of repute.

FUSION



“Osho” Rajneeshji was once invited to a seminar; many universities’ vice-chancellors and chancellors had gathered there. They were much worried about the indiscipline in the schools, colleges and universities, and they were much worried about the new generation’s disrespectful attitude towards the teachers.

Osho listened to their views and then told them,
 “I see that somewhere the very basis is missing. A teacher is one who is respected naturally, so a teacher cannot demand respect. If the teacher demands respect, he simply shows that he is not a teacher; he has chosen the wrong profession, that is not his vocation. The very definition of a teacher is one who is

naturally respected; not that you have to respect him. If you have to respect him, what type of respect is this going to be? Just look: ‘have to respect’ – the whole beauty is lost, the respect is not alive. If it has to be done, then it is not there. When it is there, nobody is conscious about it, nobody is self-conscious about it. It simply flows.”



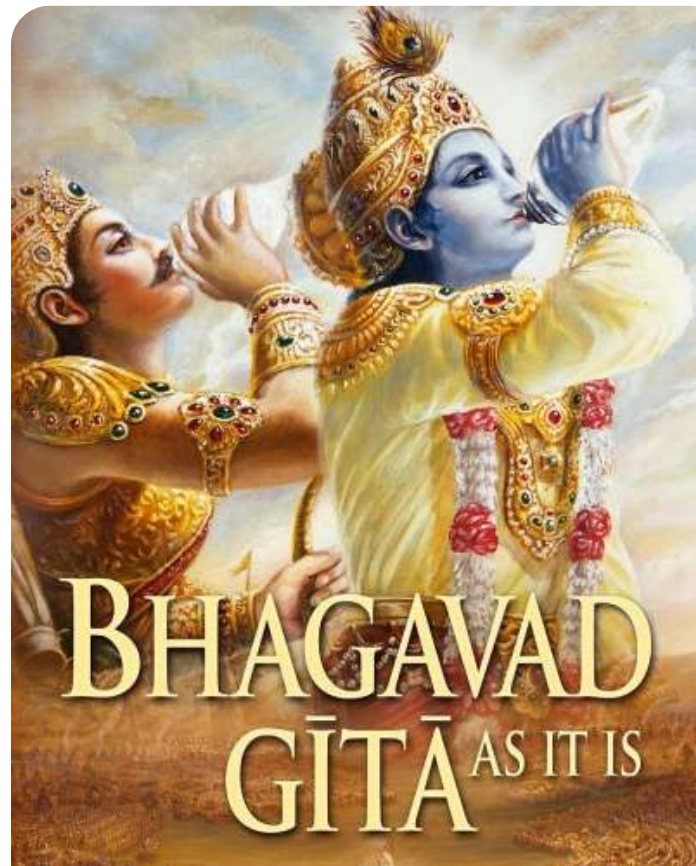
READING SCRIPTURE (DAILY PATH)

In India, when somebody is reading an ordinary book it is called “reading”; but whenever somebody is reading the Gita or any other scripture, it is called “PATH”.

Literally translated it will mean “lesson”. Ordinary reading is just reading – mechanical; but when you read so deeply absorbed in it that the very reading becomes a lesson, then the very reading goes deep in your being and is not only part of your memory now but has become part of your being.

You have absorbed it, you are drunk with it. You don’t carry the message in so many words, but you have the essence in you. The very essential has moved into your being. That is why it is called, “Path”.

In reading a book, once you have read it the book is finished. To read it twice will be meaningless; thrice will be simply foolish. But in path you have to read the same book every day. There are people who have been reading their Gita every day for years – fifty, sixty years – their whole life. Now it is not reading because it is not a question of knowing what is written in it; they know, they have read it thousands of times. Then what are they doing? They are bringing their consciousness again and again to the same tuning, as if Krishna is alive before them, or Jesus is alive before them. They are no longer reading a book – they have transformed themselves into a different space, in a different time, in a different world.



Come... Let us go the other way.

**Rain fills the size of your vessel.
 Whether your life will be filled with
 scarcity, adequacy or abundance depends on
 the size of your thinking.**



ऐसा कहा जाता है की जब महाभारत का घमासान युद्ध खत्म हुआ तब पुरे मानव समाज के अस्सी प्रतिशत पुरुष युद्ध के उन अठारह दिनों में खत्म हो चुके थे।

युद्ध खत्म होने के बाद संजय उस रणभूमि पर गए जहाँ महाभारत का युद्ध खेला गया था और वह अचम्भित तब हुए जब उस पूरी रणभूमि पर न तो उन्होंने कोई मरा हुआ इंसान देखा न तो जमीं पर बहती खून की नदिया पाई। ऐसा लगता था जैसे महाभारत हुआ ही न हो।

तभी संजय ने एक आवाज सुनी, “आप महाभारत के इस युद्ध का सत्य कभी नहीं जान पाएंगे।” जब संजय ने जिस ओर से आवाज आयी उस ओर देखा तो एक अति वृद्ध पुरुष उधर खड़े थे। वह वृद्ध पुरुष ने संजय से कहा, “मैं जानता हूँ आप यहाँ घमासान कुरुक्षेत्र युद्ध के बारे में जानना चाहते है लेकिन आप इस युद्ध के बारे में तब तक नहीं जान सकते जब तक आप सच्चे युद्ध के बारे में न जान लें।”

संजय कुछ समझ नहीं सके। तब जाके वह वृद्ध पुरुष ने बताया, “संजय यह पूरा युद्ध सिर्फ एक रूपक है।” वास्तव में महाभारत एक चिंतन है और जरूरी है की हम इसे इसी तरह देखे और समझे।

“संजय पांच पांडव हमारी पाँच इन्द्रियाँ यानी दृष्टि, गंध, स्पर्श, स्वाद और सुनने की हमारी शक्ति है और आप जानते है कौरव कौन है?”

“कौरव हमारे भीतर छुपे हमारे सेंकडो अवगुण है जो हमारी पांच इन्द्रिया पर हर वक़्त घाव करते रहते है। लेकिन इन कौरव पर विजय प्राप्त करना, उनसे जुझना तब संभव है जब आपके जीवन की, आपके मन की डोर कृष्ण के हाथ में हो। जब आप कृष्ण को अपना सारथी बना लो।

“संजय आप को प्रश्न पूछना चाहिए की ‘कृष्ण’ कौन है?” “कृष्ण आप खुद की अंतरात्मा की आवाज है जो हरदम आप से कहती रहती है की आपका व्यवहार नैतिक है या फिर अनैतिक।”

“संजय अगर हर मानव कृष्ण को अर्थात अपनी अंदरूनी आवाज को सुनना सीख जाता है तो बाद में उसे कहीं भी, कभी भी घबराने की और भयभीत होने की जरूरत ही नहीं है।”

इन सब बातों से संजय काफी प्रभावित हुए। लेकिन उन्होंने फिर पूछा, “मुनि श्री आप मुझे बताइए की द्रोणाचार्य और भीष्म कौन है?”

वह वृद्ध पुरुष ने जवाब दिया, “संजय जब आप बड़े होते जाते है तब कुटुंब के आपके बड़े लोगों के प्रति आप का नजरिया भी बदलता है। अब आप भी बड़े है, आपने भी दुनिया, समाज, व्यवहार, देखे है और अब आप जानते है की कुटुंब के जिन लोगों के वचन को आप पथर की लकीर समझते थे, वह बुजुर्ग भी संपूर्ण नहीं है। उनकी सोच भी गलत हो सकती है। वह भी गलत बात यानि की कौरव की तरफदारी कर सकते है। अब आप को तय करना है की आप के कुटुंब के द्रोणाचार्य और भीष्म की कौन सी बात आप को माननी है और कौन सी बात नज़रअंदाज करनी है। संजय इन सब बातों से सचमुच हतप्रभ हो गए। ऐसा लगा जैसे महाभारत पृथ्वी पर नहीं, लेकिन मानवमन की रणभूमि पर खेला गया था और अविरोध खेला जा रहा है।

उन्होंने बाद में धीरे से एक ओर सवाल किया, “मुनि श्री कर्ण कौन है?” वृद्ध पुरुष मुस्कराये और हँसते हँसते उन्होंने जवाब दिया, “संजय आपने सबसे



बढ़िया सवाल अंत के लिए रखा।” “संजय कर्ण आप की पाँच इन्द्रियों के “भाई” है। कर्ण आपकी इच्छा शक्ति है। कर्ण आपके व्यक्तित्व का ही हिस्सा है लेकिन हमेशा अवगुण के साथ खड़ा रहता है। आप कुछ भी काम करो, कुछ भी निर्णय करो, कर्ण को हमेशा लगता है उसके साथ गलत हुआ है और यह नादानी के कारण वह हमेशा अवगुण का साथ देता है और आप का नुकसान करवाता है।”

“संजय जरा सोचिये, जब भी आप को कोई इच्छा होती है तो उसे पूर्ण करने हेतु आप अवगुण करने पर कितने आतुर जाते है?”

संजय ने नतमस्तक हाँ में जवाब दिया। लेकिन संजय के मन में एक ओर सवाल था। वह बूढ़े मुनिश्री से संजय ने पूछा, “लेकिन द्रौपदी के बारे में आपका क्या कहना है?”

“संजय आपने मुझे सबसे महत्वपूर्ण सवाल पूछा है। द्रौपदी हमारा खुद का “स्वाभिमान” है। जब हमारी उम्र बढ़ती थी तब हम सबकुछ हमारे बुजुर्ग से सीखते थे। लेकिन फिर एक ऐसा वक़्त आता है जब संसार में आपको अकेला चलना सीखना पड़ता है और अपनी तक्रदीर खुद बनानी पड़ती है। उस वक़्त कई बार ऐसा होगा की अब आप जो सोचते है और मानते है वह आपके बुजुर्गों ने आपको जो भी सिखाया था उससे काफी विपरीत होगा। जब आप कुछ अलग करने की कोशिश करेंगे तब आपके बुजुर्ग शायद आपसे सहमत न भी हो और आप का मजाक भी उड़ाए और आप की निंदा भी करें। लेकिन लोग आपके साथ चले या ना चले आपको आपका स्वाभिमान बरकरार रखना है। और आपने सोचे हुए, समझे हुए मार्ग पर कदम बढ़ाना है। आपको ही स्वयं खुद के “कृष्ण” बनना है। आपके “स्वाभिमान” यानी की “द्रौपदी” का रक्षण आप ही को करना है।

संजय स्तब्ध, नतमस्तक थे। वह धरती की ओर देखने लगे। उनके मस्तिष्क में अनगिनत विचार चल रहे थे। कुछ क्षण बाद जब उन्होंने ऊपर देखा तो वृद्ध मुनि कहीं दिखाई नहीं दिए।

लेकिन अब संजय जान चुके थे “महाभारत” क्या है।

शादी का घर

हमारे साथ बनाइए शादी को खास.

मिलेगी हर चीज़ आपके लिए, आपके हिसाब में.

शादी की खरीदारी पर स्पेशियल डिस्काउन्ट

स्टोर में शादी की खरीदारी में सहायता • मुफ्त होम डिलीवरी • मुफ्त गिफ्ट रैपिंग

बजाज फिन्सर्व EMI कार्ड और प्रमुख बैंकों के क्रेडिट कार्ड्स पर नो कोस्ट EMI विकल्प उपलब्ध

शादी की खरीदारी में सहायता के लिए कॉल करें

1800 200 2255

[/bigbazaar](#) | [@bigbazaar](#)
[/big.bazaar](#) | [bigbazaar.com](#)

BIG BAZAAR

बना रहा है इंडिया ब्यूटीफुल

गुजरात : • अहमदाबाद : होमटाउन के पीछे, एक्रोपोलीस मॉल, थलतेज. - हिमालया मॉल, झाईव ईन रोड. - अगोरा मॉल, एस.पी. रिंग रोड. - 10 एकर्स मॉल, कांकरिया रोड. - **fbf** - अमदावाद वन मॉल, लोवर ग्राउन्ड फ्लोर, वस्त्रापुर. • आणंद : सीटी पल्स मॉल, चीनार गुलसार् के सामने. • वडोदरा : सेवन सीज़ मोल, फतेहगंज. - ईवा मॉल, पाटीदार सर्किल, मांजलपुर. • सुरत : कामधेनु मॉल, डुमस रोड. - **fbf** - VR सुरत मॉल, डुमस रोड. • राजकोट : ईस्कोन मॉल, कालावाड रोड. • भरुच : स्टेशन रोड. • वापी : एम्पेस मॉल, नेशनल हाईवे-8, सलवाव गाँव.

अहमदाबाद जिला के केरीयर कोर्नर टीचर्स का सेमिनार

अहमदाबाद जिला रोजगार शिक्षण और माहिती कचेरी के द्वारा अहमदाबाद जिला के केरीयर कोर्नर टीचर्स के सेमिनार का आयोजन कुछ समय पहले राजस्थान हाई स्कूल में आयोजित किया गया। जिसमें गुजरात के लगभग 100 से अधिक केरीयर कोर्नर टीचर्स और स्कूल के विज्ञान प्रवाह के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।



**CAREER CHOICES ARE LIFE CHOICES
TAKE THEM SERIOUSLY DO IT RIGHT!!!**

कार्यक्रम का उदघाटन दीप प्रज्वलन एवं प्रार्थना से किया गया। उपस्थित महानूभावों में श्री राजकुमार बेनीवाल (जिला कलेक्टर), श्री एस. आर. विजयवर्गीय (मददनीश नियामक रोजगार कचेरी), आये हुए थे। विद्यार्थियों के केरीयर के लिये मंचस्थ महानूभावों ने बहुत से प्रेरक मार्गदर्शन दिए। कक्षा 12वीं के बाद भी विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों में अस्पष्टता होती है। उसे दूर करने के लिए विविध मार्गदर्शन दिए गए।

श्री विजयवर्गीयजी ने बताया कि स्पर्धात्मक परीक्षाओं की तैयारी के लिये गुजरात सरकार द्वारा विभिन्न संस्थाएँ चलाई जा रही हैं। उनमें से Sardar Patel Institute of Public Administration (SPIPA) संस्था और रोजगार कचेरी द्वारा सेना भरती के लिये पूर्व तालिम और प्रशिक्षण जैसे विभिन्न कोर्स चलाये जा रहे हैं। रोजगार कचेरी में नाम पंजीकरण करवाने के लिए क्या करना, रोजगार कचेरी में ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन कैसे करना इत्यादी के बारे में मार्गदर्शन दिए गए।

अंत में स्कूल के कवीनर श्री भैरूलालजी हिरण द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरक सुझाव दिये गये। उन्होंने विद्यार्थी जीवन में केरीयर मार्गदर्शन का महत्व समझाया तथा विज्ञान प्रवाह के विद्यार्थियों को कक्षा 12 के बाद विभिन्न क्षेत्र जैसे आर्किटेक्ट, मर्चेंट नेवी, कोमर्शियल पायलोट, बी.एस.सी. तथा मेडिकल के बारे में मार्गदर्शन दिए गए। स्पर्धात्मक परीक्षाओं की तैयारी कैसे करना, भविष्य में दैनिक कामकाज और समय के बीच तालमेल बैठकर अभ्यास के लिए समय निकालना इत्यादि के लिये बहुत ही अच्छे सुझाव दिये गये।

अंत में स्कूल के कवीनर श्री भैरूलालजी हिरण द्वारा आयोजन का समापन किया गया।

**रमेश एम. दर्जी
(M.Com., M. Ed.)**

सफलता के पाँच सूत्र

परम पूज्यनीय आचार्य महाप्रज्ञजी ने बताये सफलता के पाँच सूत्र

जिसे धारण करने से न सिर्फ सफलता मिलेगी, लेकिन जीवन में निरंतर संतुष्टि का अनुभव होता रहेगा।

दो वही आकाश जिसका प्राणतत्व विकास है।
दो वही आकाश जिसमें प्रगति का उच्छ्वास है।

सफलता का सूत्र पहला प्रबल आस्थातंत्र है।
फलित अनुशासन उसीका शक्तिशाली मन्त्र है।
सिद्ध होगा साध्य निश्चित सिद्धि में विश्वास है।
सफलता का सूत्र दूजा प्रवर सम्यग दृष्टि है।

वृष्टि से खेती निपजति कल्पना से सृष्टि है।
वह विधायक मनन देता स्वर्ग का आभास है।

सफलता का सूत्र उज्ज्वल तीसरा स्वाध्याय है।
नयन युग को खोलने का जो प्रथम अध्याय है।
ज्ञात से अज्ञात अब तक कर रहा उपहास है।

सफलता का सूत्र चौथा ध्यान का संधान है।
सत्य का अनुवाद निज व्यक्तित्व की पहचान है।
धर्म अनुभव में उतरकर दे रहा आश्वास है।

सफलता का सूत्र पंचम मानसिक आह्लाद है।
हो रहा है प्राप्त गुरु का कुशल आशीर्वाद है।
आर्य तुलसी की प्रभा का अलग ही इतिहास है।



**THE WORLD CAN STOP YOU
ONLY TEMPORARILY;
THE ONLY ONE WHO CAN STOP YOU
PERMANENTLY IS YOURSELF.**





हमारे संस्कृत साहित्य में कई ऐसी कहानियाँ हैं जिनसे काफी प्रेरित करने वाली बातें जानने मिलती हैं। ऐसी ही एक बात राजस्थान सेवा समिति के मुखपत्र के लिए उपयुक्त है क्योंकि “विद्यादान” हमारा केंद्रबिंदु रहा है।

बात है नारद मुनि की। एक दिन उनसे एक कठिन प्रश्न पूछा गया। जिसका जवाब देना काफी मुश्किल काम था। प्रश्न था।

“क्या आप लक्ष्मीदेवी को पसंद करते हैं, या फीर सरस्वतीदेवी को?”

नारदजी अगर ऐसा कहें कि उन्हें लक्ष्मीदेवी पसंद है तो सरस्वतीदेवी नाराज हो जाएगी और अगर ऐसा कहे की उन्हें सरस्वतीदेवी पसंद है तो लक्ष्मीदेवी नाराज हो जाएगी। नारदजी ना तो लक्ष्मीदेवी को नाराज करना चाहते थे, और ना तो सरस्वतीदेवी को।

लेकिन एक बात तो तय थी की नारदमुनि के बुद्धि चातुर्य का कोई मुकाबला नहीं था। उन्होंने जवाब दिया, “मुझे लक्ष्मी आती हुई अच्छी लगती है, और सरस्वती जाती हुई अच्छी लगती है क्यों की सरस्वती यानी की ज्ञान, मैं जितना भी बाटूँगा वह बढ़ता ही जायेगा। और तो और ज्ञान यानी की सरस्वती के बाटने से लक्ष्मीजी तो स्वतः ही मेरे पास आएगी।

हमें भी आज यही प्रण लेना है की ज्यादा से ज्यादा बच्चों को सरस्वती से लाभान्वित करे जिससे आने वाले सालों में उनके ज्ञान और संपत्ति दोनों बढ़ते रहेंगे।

अब ही तो सच्ची मजा है

बल्लेबाजी के खेल में डिफेंसिव खेलते पचास साल पुरे हुए।
बस अब तो खुलके खेलना है।
चोक्के और छक्के लगाने है।
जीवन की आधी सदी गुजर गई।
बस अब ही तो सच्ची मजा है।

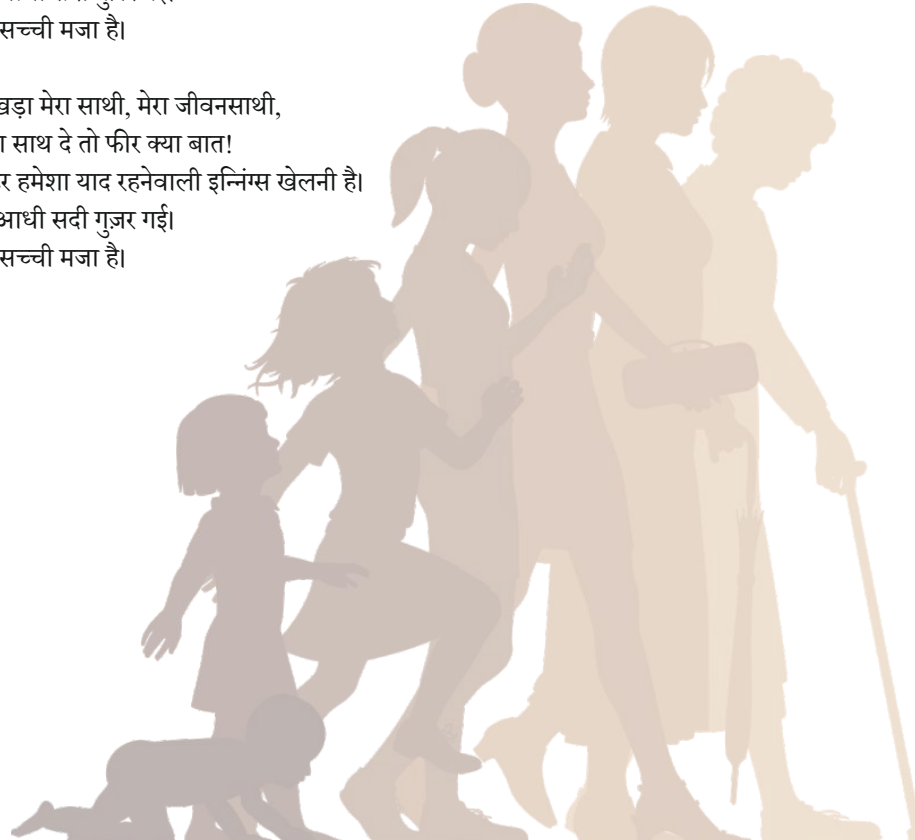
हाँ थोड़ा सा शरीर थक गया है।
लेकिन मन से कब मैंने हार मानी है?
अब तो कुछ और उमंग से खेलना है।
जीवन की आधी सदी गुजर गई।
बस अब ही तो सच्ची मजा है।

खेल खेल में वह घायल होना,
कानों में झेले कई अपशब्द, कई गलत अपीलें।
कितना सारा सह लिया है मैंने
अब तो किसी भी चीज की परवाह नहीं करनी है।
जीवन की आधी सदी गुजर गई।
अब ही तो सच्ची मजा है।

हार जाना मंजूर है।
लेकिन वैसे ही जिन्दा गेम से निकलना मंजूर नहीं।
अब तक जितनी जिंदादिली से खेला हूँ,
बस उतनी ही जिंदादिली से और खेलना है।
जीवन की आधी सदी गुजर गई।

अब ही तो सच्ची मजा है।
मेरी अपनी टीम ने जितने चाहे उतने रन तो कर लिए।
अब बाकी जिम्मेदारी टीम की है।
मुझे तो बस अब मेरे ही तरीके से खेलना है।
जीवन की आधी सदी गुजर गई।
अब ही तो सच्ची मजा है।

मेरे सामने खड़ा मेरा साथी, मेरा जीवनसाथी,
अगर हमेशा साथ दे तो फीर क्या बात!
तब तो जरूर हमेशा याद रहनेवाली इनिंग्स खेलनी है।
जीवन की आधी सदी गुजर गई।
अब ही तो सच्ची मजा है।



ONE STOP SOLUTION

FOR ALL YOUR BRANDING NEEDS

OUTDOOR SOLUTIONS
PRINT MEDIA
ONLINE MARKETING
MEDIA STRATEGY+ BUYING
RELEASING AGENCY
LED WALLS



THE MEDIA CAFÉ

Your Brand Refresher

A- 410/411 Shilp Aaron, Sindhubhavan Road, Bodakdev, Ahmedabad, Gujarat-380054

M. 98796 48884 | T. 079-29700888 | E. Navya@themediacafe.in | W. themediacafe.in

- विज्ञान एक्सप्रेस एक विज्ञान प्रदर्शनी है, जो 16 कोच की ए.सी. ट्रेन की सहायता से पूरे देश में प्रदर्शित की जाती है।
- इस अनुठी पहल को अक्टूबर 2007 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया था।
- अब तक यह एक्सप्रेस ट्रेन देश में 9 बार प्रदर्शित की गयी है।



विज्ञान एक्सप्रेस में क्या है ?

- विज्ञान प्रदर्शनी के पहले 4 चरणों में दुनिया भर में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में किये जा रहे अत्याधुनिक अनुशोधनों को प्रदर्शित किया गया।
- 5 से 7 चरण की प्रदर्शनी जैव विविधता के विषय पर आधारित थी।
- 8 चरण की प्रदर्शनी जलवायु एक्शन स्पेशल (S.E.C.A.S.) के रूप में जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौतियों को प्रदर्शित किया गया।

राजस्थान विधानलय एवं विज्ञान एक्सप्रेस

- हर साल की तरह इस बार भी राजस्थान विधानलय के विज्ञान संकाय के विधार्थी विज्ञान एक्सप्रेस तथा उसमें लगी विज्ञान प्रदर्शनी को देखने खोडियार रेलवे स्टेशन गये तथा जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौतियों को समझने का प्रयास किया।
- जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौतियों के प्रति लोगों में जागरूकता उत्पन्न करना।

RANA HARENDRA SINGH (MSc, B.Ed)
BIOLOGY TEACHER R.H.H.S.

हमारी राजस्थान सेवा समिति
समिति एक भावना है, जो निर्मल है।
समिति एक प्रेरणा है, जो सशक्त है।
समिति एक संकल्प है, जो ज्योतिर्पुंज ग्रन्थ है।
समिति एक सृजन है, जो मंगलमय है।



2 FOR ₹ 50*

Pet Bharega Niyat Nahi.

CRISPY VEG



ADD FRIES AND PEPSI AT JUST ₹50**

NOW OPEN AT VENUS ATLANTIS, PRAHLAD NAGAR
ALSO AT HIMALAYA MALL & AHMEDABAD ONE MALL

*TAXES AS APPLICABLE. T&C APPLY. **Offer valid on regular fries & regular pepsi.
TM & ©2017 BURGER KING CORPORATION. USED UNDER LICENSE. ALL RIGHTS RESERVED. OFFER NOT VALID FOR DELIVERY.
Images in this advertisement are illustrative and do not represent the actual product(s).
Only pepsi/diet pepsi/mountain dew contain caffeine. Contains no fruit juice. Contains added flavour.

बैठा हूँ मानो ज्वालामुखी के ढेर पर,
और मेरे भीतर
जो कर रहा है
चंदन का लैप
वही तो है ईश्वर।

- सुरेश दलाल

सबकी खुशी से फासला बस एक कदम है,
हर घर में एक ही कमरा कम है।

- जावेद अख्तर

“कसौटी जब संकट की घड़ी करे
तब बस श्री कृष्ण हम पर कृपा करें।”

- भावानुवाद, श्री द्वारकेश लालजी महाराज

हमारे ही मन की शुभ-अशुभ वासनाएं हमें कर्म की ओर घसीट ले जाती है।
हम मानव, पशु या पंखी नहीं है की हमारी वृत्ति हमारे हर कर्म का नियंत्रण करें।
खाने के पश्चात संतुष्ट प्राणी न तो फिर से खाता है न तो संतुष्ट होने के पश्चात काम-क्रीड़ा उसे
फिर अपनी ओर घसीट ले जाती है।
क्यों की हर पशु, हर प्राणी, हर जीव अपनी वृत्ति से जीता है, वृत्ति के आधीन है।
अपने मन में नयी सोच, नए विचार पैदा कर उस पर कार्य करने की शक्ति उनमें नहीं है।
सिर्फ हम, मानव, अपने ही मन से ऊपर भी उठ सकते हैं और अपने ही मनसे वासना के बवंडर में
फंस भी सकते हैं।

- भावानुवाद, श्री मनुभाई पंचोली (दर्शक)

चलो मेरे दोस्त उठालो अब लंगर,
समंदर के अंदर झुकालो अब कस्ती,
किनारे से अब आप तोड़ दो रिस्ता
तूफानों से कहदो अब वही तो है मस्ती।

- भावानुवाद, मधुकर रांदेरिआ

क्या मुसीबत,
कैसा दुःख,
कैसी कठिनाई
और कैसे सुख,
यह सब, बस जीवन के पन्ने,
पलटता ही चला।

- भावानुवाद, सगीर

खबर नहीं है पल की,
और बात करते हैं कल की!

- कबीर

रोग और अतिथि के बिच जैसे गजब की
समानता रही है।
कई अतिथि पहले से ही सन्देश भेज चले आते हैं
हमें पता रहता है कितने दिन ठहरेंगे
उनके जाने के बाद हम जानते हैं वह शायद ही
वापिस आएं।

और कई अतिथि बीन बुलाये रोग जैसे!
वैसे ही चले आते हैं और छा जाते हैं।
पहले तो लगता है जैसे कुछ नहीं है
और आहिस्ता आहिस्ता बताते हैं अपना रूद्र स्वरुप।
खुद तो चिपक कर बैठ जाते हैं लेकिन मेजबान
को रखते हैं परेशान।

चले जाने के बाद भी डर बना रहता है
ऐसे अतिथि, ऐसे रोग कभी न आये!

लेकिन वह डर भी क्या रोग से कम होता है?

- भावानुवाद, श्री ज्योतिन्द्र दवे

जीने की इस राह में
कितना गिरा हूँ!
तभी तो जाके
कुछ ऊपर उठा हूँ।

- भावानुवाद, उमाशंकर जोशी

हर सुबह मुझे जगा देती है, हिला देती है जैसे वह मुर्गे
की पुकार
देख, यह भोर के दर्पण में, खुद के जीवन का चितार,
जाग रे नादान, नींद में बीत गई पूरी रात,
ऐसे ही बीत जाएगी जिंदगी तमाम, कभी तूने किया
विचार।

- भावानुवाद, उमर खय्याम

FS Future Solutions
AIRCONDITIONING SOLUTIONS FOR THE FUTURE

DAIKIN
WORLD'S NO.1 AIR CONDITIONING
COMPANY FROM JAPAN

SALES + SERVICE = Future Solutions

GUJARAT'S LARGEST SERVICE NETWORK

ALL INDIA No.1
DAIKIN DEALER

HI WALL UNITS
CASSETTE UNITS
DUCTABLE UNITS
VRV SYSTEMS
CHILLERS



0% FINANCE
AVAILABLE

FS Future Solutions
AIRCONDITIONING SOLUTIONS FOR THE FUTURE

HEAD OFFICE

"Hani House", Ground Floor,
B/h. Oriental Bank of Commerce,
Shyamal Cross Roads, Satellite,
Ahmedabad-380 015.

SOLUTION PLAZA-AHMEDABAD

Jyoti Plaza, Upper Level,
Shyamal Cross Roads, Satellite.
☎ 079 2674 6605 / 06
✉ futuresoluindia@gmail.com

SHOWROOM-GANDHINAGAR

5/GF, Ugati Corporate Park,
Opp. Pratik Mall, Nr. HDFC Bank, Kudasar.
☎ 079 2360 0789
✉ gandhinagar@futuresoluindia.com

Customer Care

99789 69619 / 20
www.futuresoluindia.com



POWER PACK SYSTEMS
LEADER IN POWER PROTECTION

EATON
Powerware

MICROTEK
POWER SYSTEMS

EXIDE

AMARON
QUANTA

ATIGO
Quality Protection

POWER PACK SYSTEMS

"Hani House", Ground Floor, B/h. Oriental Bank of Commerce, Shyamal Cross Roads, Satellite, Ahmedabad-380 015.
☎ 9824013589, 9825306605 ☎ +91 79 2674 6605 / 06, 26306052 ✉ info@powerpacksystems.in, powerpacksystems2611@gmail.com

SALES . SERVICE . RENTAL • Online/Offline UPS • Inverters • Servo Stabilizers • Industrial Batteries • Safety Sensors

A FUTURE SOLUTIONS GROUP COMPANY

It is rightly said that "To make your home a temple, you need idols of the deities as well as good books of literature to inculcate "Deity" like qualities in every member of the family".

The book that we are going to recommend in this issue of Rajasthan Sewa Samiti Bulletin "Sewa Jyot" is "Jonathan Livingston Seagull". This was the fourth book which, its author, Richard Bach, published in the seventies and right from the day one, it caught the imagination of people and remained on the Best Seller list of world renowned newspaper "New York Times" for two long years. Since then the book has continued to inspire millions of people all across the world.

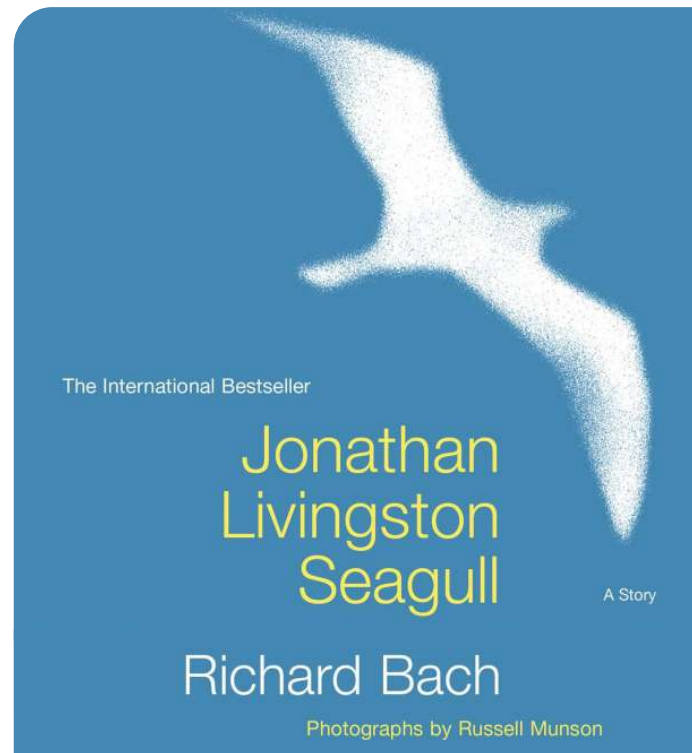
"Jonathan Livingston Seagull" is a story for people who follow their hearts and make their own rules.... People who get special pleasure out of doing something well, even if only for themselves....people who know there's more to this living than meets the eye.

The entire story is narrated through the example of a "Seagull". However we need to keep it in mind while reading this book that you, I and we are that "Seagull".

For most seagulls, life consists simply of eating and surviving. Flying is just a means of finding food. However it was different for the "Protagonist" i.e. the Main Hero Seagull in this book, whose name is "Jonathan Livingston Seagull". He did not merely want to waste his life in the mundane pursuit of "Eat, Drink & Be Merry". He did not merely want to fly just to find food to feed his belly. Rather, for Jonathan Livingston Seagull life meant a higher purpose. He wanted to be the best in whatever he did. And for the sake of his dreams, he was willing to swim against the tide.

In the opening of the book, Mr. Ray Bradbury has thanked the author of the book Mr. Richard Bach, saying that, "Richard Bach with this book does two things. He gives me Flight. As also he makes me Young. For both I am deeply grateful."

This book is about the spirit of "Walking Alone". There are pretty good chances that when you strive to follow your dream, you will be a solitary figure walking on the path. There will be innumerable nay-sayers trying to dissuade you from following your chosen path.



However it will be your inner confidence that will keep you going and it is people like you would re-write the course of the history.

In every one of us is hidden great heroic figures. Only thing we need is to rise to our full potential. "Jonathan Livingston Seagull" inspires us towards that goal.

Will it be an "Easy Road"? Not at all. Ask some Olympic level athlete and he or she will tell you about all their struggle filled days, about all the challenges they faced, the fierce competition and the final emergence to stand on the podium and accept their Gold or Silver or Bronze Medal. "Seagulls like "Jonathan Livingston Seagull", never falter, never stall. To stall in the air is for them disgrace and it is dishonour."

The beauty of Aiming High, of course, is that your own "Will" finds the "Way" for you and to your surprise the fresh avenues keep on opening and from deep within you, you find newer insights as to how to move forward and achieve seemingly impossible results in the process.

Jonathan Livingston Seagull faced innumerable moments of self-doubt. There were so many occasions when he was on the verge of giving up all struggles

and behave just like an ordinary seagull. But then once again he would brace himself, get rid of all his doubts and fears and start anew his mission to "Conquest".

In the moments of "Defeat" he would remember that "Speed was power, and the speed was joy, and the speed was pure beauty." And shrugging all negative thoughts he would start anew.

ONE DAY JONATHAN LIVINGSTON SEAGULL reached the velocity of two hundred fourteen miles per hour and sure, it was a breakthrough.

"How much more there is to living! Instead of our drab slogging forth and back in our pursuit of earning our living, there's a reason to life! We can lift ourselves out of ignorance, we can find ourselves as creatures of excellence and intelligence and skill."

In spite of all his achievements, one day "Jonathan Seagull" was told by the elders, "Stand to Centre for shame in the sight of your fellow gulls!" Jonathan was dumbfounded. What had he done wrong? Why was he told to stand to centre for shame.

"BUT"

Just look at the history of human civilization and you will find all seers and visionaries, heroes & inventors, shamed by their contemporary generations. Christ and Socrates and Galileo. The list is long. But those generations have been forgotten. However those heroes, shamed by their contemporaries are still remembered & revered & worshipped. They have their places secured in our hearts & souls.

For most of the folks "Life is the unknown and the unknowable, except that we are put into this world to eat, to stay alive as long as we possibly can." But not for those who wants to "Make a Difference".

Then came an opportunity for Jonathan Livingston Seagull when finally he found himself in the midst of like-minded seagulls.

How calm it was for Jonathan when he was told by senior likeminded gulls, "Jonathan, you have now learned. One school is finished, and the time has come for another to begin.

AND NOW ONE PARAGRAPH WHICH NEEDS TO BE MEDITATED UPON: -

One day, having met his likeminded seagulls, Jonathan

asked his instructor, "Where is everybody, Sullivan?" he asked silently, quite at home now with the easy telepathy that these gulls used instead of screeches and gracks. "Why aren't there more of us here? Why, where I came from there were thousands and thousands of gulls. I know."

Sullivan shook his head. "The only answer I can see, Jonathan, is that you are pretty well a one-in-a-million bird. Most of us came along ever so slowly. We went from one world into another that was almost exactly like it, forgetting right away where we had come from, not caring where we were headed, living for the moment. Do you have any idea how many lives we must have gone through before we even got the first idea that there is more to life than eating, or fighting, or power in the Flock? A thousand lives, Jon, ten thousand! And then another hundred lives until we began to learn that there is such a thing as perfection, and another hundred again to get the idea that our purpose for living is to find that perfection and show it forth. The same rule holds for us now, of course: we choose our next world through what we learn in this one. Learn nothing, and the next world is the same as this one, all the same limitations and lead weights to overcome." He stretched his wings and turned to face the wind. "But you, Jon," he said, "learned so much at one time that you didn't have to go through a thousand lives to reach this one."

One evening the gulls that were not night-flying stood together on the sand, thinking. Jonathan took all his courage in hand and walked to the Elder Gull, who, it was said, was soon to be moving beyond this world. "Chiang ..." he said, a little nervously. The old seagull looked at him kindly. "Yes, my son?" Instead of being enfeebled by age, the Elder had been empowered by it; he could outfly any gull in the Flock, and he had learned skills that the others were only gradually coming to know. "Chiang, this world isn't heaven at all, is it?" The Elder smiled in the moonlight. "You are learning again, Jonathan Seagull," he said. "Well, what happens from here? Where are we going? Is there no such place as heaven?" "No, Jonathan, there is no such place. Heaven is not a place, and it is not a time. Heaven is being perfect."

HAVE THIS BOOK. READ THIS BOOK.
"FIND & FOLLOW A HIGHER PURPOSE FOR LIFE".



KG Class Decoration Competition was held for students of Std V to VIII on Children's Day. Their spirit, effort and team work was commendable.



It was a surprise when KG Section Teachers entertained their wards with their classic dance performance to the tunes "Hum Bhi agar bache hothe" on Children's Day



Children's Day Celebration by KG Section students. Theme of Fancy Dress: Jr. KG - Fruits and vegetables & Sr. KG - Cartoon Characters. Our cute and innocent Students participated enthusiastically.



Navratri Celebration



Every year our School recognizes the 1st and 2nd Rankers (Jr. KG to VIII) in their academic performance as an encouragement to the students.



Cubs, Bulbuls, Scouts and Guides activities are essential part of our School curriculum which are conducted on 2nd and 3rd Saturdays of every month.



**PEOPLE DO NOT LACK STRENGTH;
THEY LACK WILL.**

VICTOR HUGO





Kudos to Anjali Shah of Std VIII-A who had won Gold Medal in 11th and 12th State Level ITF TAEKWON-DO CHAMPIONSHIP.



Our School Committee Co-Convenor Mr. Rajendra Bothraji and Member Mr. Basant Agrawalji interacting with the parents of students who fared badly in their recent exams. Our sincere thanks to them for sparing their valuable time and boosting the morale of the parents and their wards.



25TH CHILDREN SCIENCE CONGRESS-2017



Of about 5000 students projects in seven sub themes, 350 have been chosen for the state level round. Our school Rajasthan Hindi High School was one among 350 projects presented by different schools. Ayush Chauhan with his team of four students of R.H.H.S. has presented their project on the topic of Electromagnetic Radiation and its effects under guideline of Asst. teacher Tiwari Raman and principal Dr. Shailaja Nair.

The event is organized by NCSC along with GUJCOST. The Jury consists of 16 eminent scientists based scientific institutions. They evaluated poster presentation, projects and demonstration. Thirty five child scientists were selected to represent the state at the national level.

Thanks,
Raman Tiwari
Rajasthan Hindi High School.

The 25th edition of the state level children`s science congress commenced on Friday at Gujarat Vidyapith. The event is organized on November 24 and 25 with the focal theme of Science Technology and Innovation for Sustainable Development.

When I am worried
A FRIEND gives hope
when I want to give up
A FRIEND helps me cope
A FRIEND is a place
when you have
nowhere to go.
When I am sad

A FRIEND dry up my tears.
When I am scared
A FRIEND ease my fears.
A FRIEND is humble.
A FRIEND is true.
A FRIEND is precious and
that FRIEND is you.



Tiwari Tripti H.
VIIIth B

Science & Mathematics Exhibition



Participation in NCC



Children from Std. Jr. KG to V enthusiastically participated in the Picnic to Shanti Suman Resort, Sanand. They enjoyed Discotheques, Movies, Magic Shows and delicious food.



Rajasthan Hindi High School - The Activity Galore

- Successful Teachers' Training Programme at School premises.
- The Interschool Quiz Program at St. Xavier's High School, Hansol.
- International Exam at our school premises organized by Eduheal Foundation.



The refresher course focusing on the concept of "Latest Computer Technology" and "Smart Class" was organized in which teachers of High School as well as primary and self-finance schools also participated.

Our students also participated in the "Interschool Quiz Program" organized at St. Xavier's High School, Hansol. The Eduheal Foundation organized "International Exam" at our school premises.



राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल का गौरव



हिन्दी दिवस - २०१७ के अवसर पर हिंदी साहित्य परिषद्, अहमदाबाद द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में से हमारी शाला के १२ वीं कॉमर्स के छात्र चौधरी शिवम् ने श्री श्याम टिबरेवाल प्रबंधन प्रतियोगिता "विद्यार्थी जीवन में समय प्रबंधन (टाइम मेनेजमेंट) का महत्व" विषय पर ३००० शब्दों में निबंध लिखकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं ११ वीं के छात्र झाला लक्ष्यपाल ने "भारत की प्रगति में अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र (ISRO) का वैश्विक स्तरीय योगदान" विषय पर निबंध प्रतियोगिता में भाग लेकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। दोनों छात्रों को २ अक्टूबर २०१७ को परिषद् के आजीवन सदस्य (ट्रस्टी) डॉ. चंद्रकांत मेहता, श्री श्याम टिबरेवालजी डॉ. किशोर काबरा, डॉ. हरीश त्रिवेदी तथा डॉ. मल्टी दुबे की उपस्थिति में रजत पदक प्रदान किया गया।

डॉ. ममता यादव
शिक्षिका
राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल

पर्यावरण पर कविता

मैं - वही धरा
जो जीवन को धारण करने
का वरदान लेकर
अनंत आकाशगंगाओं के
बीच आई थी,

मेरे गर्भ में कैसे आया,
ये जीवन
कैसे तम गर्भ आग के गोले से
बदल गई शीतल नीले गूह में
कैसे विनाश के क्रोध को
दबा लिया अपने अन्दर
वहीं जहाँ आज भी
धधक रही हूँ मैं

कैसे विकास क्रम में
सबको निखारा मैंने



और पेदा किया अपने संघर्ष
से विकसित होने का जूनून

कैसे धीरे - धीरे गड़े
वो सारे प्रकृतिक नियम
जिनमे गति और लय और संतुलन

सब कुछ स्वतः नियंत्रण
विकास के चरम पर
पहुंचने को आतुर

हजारों पौधे, जिव जन्तु
नदी, झरने, तालाब, समुद्र
पर्वत, पहाड़, पठार
जल और वायु के बबंडर

मुद्रा के फैले हुए
सब बन और बिगड़ रहा था
मेरी प्रयोगशाला में
मेरे ही अन्दर

पर से कौन है?
जो मुझसे ही उत्पन्न हो
मुझे ही लगातार चुनौती दे रहा है
जिसे अपना उदंड बच्चा मान
मैं हर बार क्र देती हूँ शमा

ये कौन है?

कल्पना कीजिए जब दुनिया का
आखिरी पेड़ कट चूका होगा

और आखिरी नदी का पानी जहरीला हो गया होगा
और दुनिया की आखिरी मछली पकड़ी जा चुकी

तब क्या आप केवल धन से पेट भरेंगे
सावधान पर्यावरण की रक्षा स्वयं की रक्षा है।

वृक्षों की मा - बाप की तरह सेवा कर
समय से पहले उससे बलिदान न ले

प्रकृति का न करे हरण
आओ बचाये पर्यावरण



राजस्थान हिन्दी हाईस्कूल शाहीबाग में "स्वच्छता अभियान" एवं "मतदान का महत्व" विषय अंतर्गत शीघ्रचित्र स्पर्धा हुई सभी छात्रों ने बड़े उत्साह से भाग लिया था। अच्छी चित्रकृतियों को सन्मानित किया गया था।

चित्र शिक्षक, श्री आर. डी. रावल द्वारा रिपोर्ट

चित्रकथा

- छबी खुद एक कविता है, जिसके कोई शब्द नहीं होते।
- अर्थात एक चित्र (छबी) हजार शब्दों के बराबर होता है।
- चित्रकला वो है जिसमें चित्रकार का दिमाग और दिल एक साथ काम करता है।
- एक अच्छा मूर्तिकार चीजों को आकार देने में रूचि रखता है, कवि शब्दों में, और संगीतकार ध्वनि में।
- एक अच्छा कलाकार अपने काम से जाना जाता है, नाम से नहीं।

शाह नीतिनकुमार बाबूभाई
सहायक चित्र शिक्षक
ज्ञानोदय हिन्दी / अंग्रेजी प्राथमिक शाला

इम्तिहान

जब आते है इम्तिहान
सब बच्चे हो जाते है परेशान
सारा साल कुछ करा नहीं
दिमाग के अंदर कुछ भरा नहीं
जब आते है इम्तिहान,
सब बच्चे हो जाते है परेशान।

हिन्दी मैं तो गोल है,
अंग्रेजी में डावाँडोल,
विज्ञान की थी थोड़ी सी नॉलेज,
लेकिन वह पर भी पड़ गई
टेकनॉलाजी पुरानी,
जब आते है इम्तिहान,
सब बच्चे हो जाते है परेशान।

भूगोल में तो गोल है,
इतिहास को तो सारी रात पड़ा,
सुबह देखा तो सब सफा,
जब आते है इम्तिहान,
सब बच्चे हो जाते है परेशान।

अब तो सरस्वतीजी ने भी आकर
दे दिया इस्तीफा और कहा,
जब आते है इम्तिहान,
सब बच्चे हो जाते है परेशान।

कंचन उपाध्याय
सहायक शिक्षिका, दोपहर पाली

बहनों को आगे बढ़ना है

दीपशिखा ले हाथों में, रातों में बरसातों में
बहनों को आगे बढ़ना है, मंजिल की रात में।

जागो जागो निद्रा त्यागो धरती गति सुनती है
सूरज का सन्देश लीचे उषा मुसकाती आती है।
जीवन धरा मोड़ दो, अंध रूढ़ियां छोड़ दो।
अध्याय नया अब जोड़ दो।

संस्कार विचार और आचार हमारा नारा है।
नारी को देहरी तक लाने का अभियान.....।।
नारी नहीं पहेली है, दासी नहीं सहेली है।
बाधाओं से नित खेली है।

शूल हटाकर फूल बिछाये कदम-कदम पर नारी.....।
तम की सहाने घटाओ में आलोक बिखेरा नारी।।
नारी युग की धडकन है, नारी युग की.....।
नारी से युग का अंकन है।

सहनशीलता श्रम निष्ठा सन्नारी का श्रृंगार।
संयम, शील, सादगी, सेवा से खुलता.....।।
मंजिल का आहवान है, करो विजय प्रस्थान।
हो सुफल सफल अभियान है।

छाया पाटिल
सुपरवाइजर, दोपहर पाली

टीचर की व्यथा

सुबह से लेकर शाम तलक वह, सबक सभी को सिखलाता है।
चॉक - वॉक हथियार है उसके, और शिक्षक वह कहलाता है।।

बच्चे को वह समझ के मिटी, शिक्षारूपी पौधा उपजाता।
है तक्रदीर भी कैसी उसकी, उस पौधे की छांव न पाता।।

देख तरक्की उस पौधे की अपना मन बहलाता है।
चॉक - वॉक हथियार है उसके और शिक्षक वह कहलाता है।

रात्रि में भी वह यही सोचता, कल क्या मुझे पढ़ाना है।
लक्ष्य एक ही रहता उसका, बच्चों को आगे बढ़ाना है।।

बच्चों के भी बीच में अब सम्मान नहीं वह पाता है।
चॉक - वॉक हथियार है उसके और शिक्षक वह कहलाता है।

खुद जलकर प्रकाश फैलाए, करे नहीं कोई अभिलाषा।
मान मिले गुरु द्रोणा जैसा, एकलव्य से शिष्य की आशा।।

बड़ा दुखी होता है जब एकलव्य कही ना पाता है।
चॉक - वॉक हथियार है उसके और शिक्षक वह कहलाता है।

बैठ के वह कुर्सी के ऊपर, टांग के ऊपर टांग को रखकर।
बिन श्रम के है कमाता पैसा, लोग सभी कहते है ऐसा।।

अथक दिमाग करके परिश्रम प्रतिफल वह नहीं पाता है।
चॉक - वॉक हथियार है उसके और शिक्षक वह कहलाता है।

तोमर प्रेमलता
सहायक शिक्षिका, दोपहर पाली



32 Years of
Quality Care
Cure with Care
Charitable Goals,
Corporate Culture

MODERN COMFORTABLE
INFRASTRUCTURE

LATEST TECHNOLOGY
EQUIPMENT

EXPERIENCED PROFESSIONALS
TRAINED IN INDIA AND ABROAD

MULTIDISCIPLINE SUPERSPECIALTY HEALTH CARE



SURGERY :

- Arthroscopy
- Burns
- Cardiothoracic Surgery
- Cardio Vascular Procedures
- Dentistry
- ENT
- Endoscopy Procedures
- Endo Urology
- Gastroenterology Surgery
- Hepatobiliary
- Invasive Neurology
- Joint Replacement
- Laser Surgery
- Laproscopic Surgery
- Neuro Surgery
- Obst. & Gynecology
- Ophthalmology
- Onco Surgery
- Kidney Transplant
- Orthopedics
- Pediatric Surgery
- Plastic Surgery
- Spine Surgery
- Urology
- Vascular Surgery

OTHERS :

- Health Check-up
- Destress Clinic
- Audiometry, Speech Therapy
- Physiotherapy
- Occupational Therapy
- Homeopathy
- Ayurvedic

EDUCATION :

- Post Graduate Diploma in Critical Care Medicine (DCCM)
- General Nursing & Midwifery (G.N.M.)
- Post Basic B.Sc. (Nursing)
- B.Sc. (Nursing)

MEDICAL :

- Internal Medicine
- Critical Care Medicine
- Pediatric & Neonatal ICU
- Gastroenterology
- Endocrinology
- Cardiology
- Pulmonology & Allergy
- Sleep Studies
- Onco Hematology
- Oncology
- Neurology
- Nephrology
- Psychiatry
- Skin & V. D.
- Pain Clinic

DIAGNOSTICS :

- Automated Pathology
- Digital X-Ray (DR)
- 2D Sonography
- 2D Peripheral Doppler
- Mammography
- 128 Slice C.T. Scan
- 3D Echo, TMT, PFT
- EMG, NCV, BERA
- Yaglaser & A.B.Scan
- Coronary CT Angio



The Gujarat Research & Medical Institute
Chatarbuj Lajpatrai General Hospital

ISO 9001-2015 Certified Hospital

Camp Road, Shahibaug, Ahmedabad - 380004.
Phone : 0091-79-22866311-12-13, 22863673-75
E-mail : curewithcare@grmi.org.in
Web add. : www.grmi.org.in

EMERGENCY
22850239
99740 66000



RAJASTHAN
HOSPITALS



Childhood

Eyes unknown from the world,
Books Pile made them swollen
Dreams files broken by known voice,
Happiness of tiny world created,
Full of joys and new creation,
In the veins Knowledge flows
Make their world beautiful and

Flushed with joys eternal spirit
Tears down as laughter power
Flaunt by looks in mirror
Mocks on you and Love one self
Let the childhood as it is,
Without mending it with sticks

Pooja Kedia
Asst. Teacher
Noon Shift

Psychology of a Child

Understanding your child is of the most important things that you should learn as a parent. It is very helpful in becoming effective in guiding & nurturing your child as they grow & mature. You need to bear in mind that your child has unique personality trait that remain consistent throughout life.

One of the ways by which you can understand your child is by observing them as they sleep, eat or play. Self-esteem is a major key to success in life. Parents are encouraged to find time to spend playing with their kids on regular basis. Time is a most important part which parents are giving to the child.

Neelam Rajput
Asst. Teacher,
Noon Shift

Life is ...

Life is an opportunity, benefit from it.
Life is beauty, admire it.
Life is bliss, taste it.
Life is a dream, realize it.
Life is a challenge, meet it.
Life is a duty, complete it.
Life is a game, play it.
Life is a promise, fulfil it.
Life is a sorrow, overcome it.
Life is a song, sing it.
Life is a struggle, accept it.
Life is a tragedy, confront it.
Life is an adventure, dare it.
Life is luck, make it.
Life is too precious, do not destroy it.
Life is life, fight for it.

- Mother Teresa

THANK YOU AHMEDABAD
FOR CHOOSING US TO BE ONE OF
INDIA'S MOST PREFERRED JEWELLERS



Ms. Chitrangada Singh

Mr. Kalash S. Kabra - Managing Director - KK Jewels

Mr. Nabjeet Ganguli - CMO UBM



A UBM Initiative
(Survey Conducted by MRSS)



KK JEWELS

ANTIQUE GOLD | JADTAR | DIAMONDS | SOLITAIRES

VISIT OUR STORE FOR AN AWARD WINNING EXPERIENCE

GROUND FLOOR, ISCON CENTRE, SHIVRANJANI CROSS ROADS, SATELLITE, AHMEDABAD
CONTACT - 8000234951 • SUNDAY OPEN - VALET PARKING AVAILABLE



Desire is the spark which bursts forth into flame in the boiler of human effort and generates the steam which then produces action. We all should desire a definite aim in life. World is determined by our dominant desire. Personality is the development of desire. As mans dominant desire becomes the world of his personality -

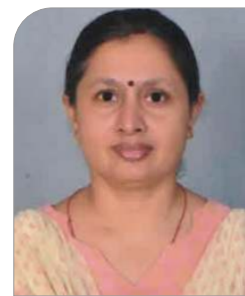
“WE SHOULD ASK GOD EVERY MORNING FOR HEALTH, HAPPINESS AND SUCCESS WITH OUR APPOINTED TASK.”

We should put our prayer in life pushing not for god to perform some miracle for us but to give us the creative energy that we may perform the miracles for the glory of a better humanity. So let us all start it right now, to create a strong and irrepressible desire for the life which we wish to attain, make the desire so full and complete that it will absorb most of our thoughts. We should -

- dwell upon it by day and dream about it by night,
- keep our mind focused on it during every spare moment,
- write it on a paper and place it where we can see it at all times.

We should concentrate on our every effort towards its realization and then watch as in response to the touch of a magic wand, how it will materialize!

So it's always "BETTER LATE THAN NEVER".



Prabha Warier
Asst. Teacher, KG Section

HEARTFULNESS EDUCATION

It was my privilege to be a part of 'INSPIRE', a three days 'Teachers training program' (from 15-09-2017 to 17-09-2017) organized by Heartfulness Education, Yogashram, Adalaj, Ahmedabad.

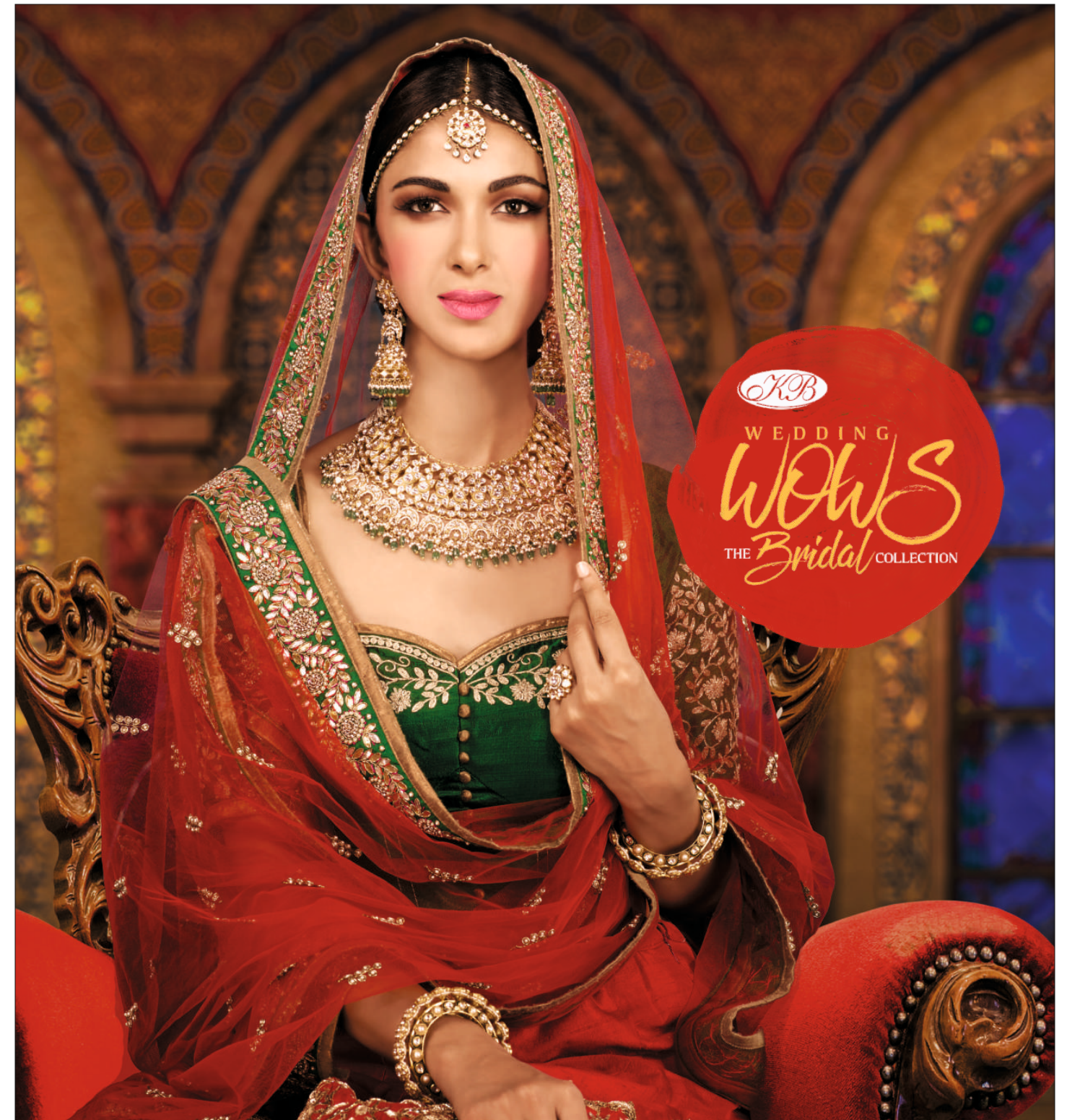
The purpose of the program was to create a conscious learning environment for students and teachers. This Heart-centered training program enables the teachers to learn a simple set of meditation-based tools called 'Heartfulness' and it also offers a comprehensive training on two basic programs offering for school students, which the teachers get equipped with to impart to their students. The two program offerings for school students are: (A) Conscious living education (B) Conscious living experience.

A famous saying goes, "The mediocre teacher tells. The good teacher explains. The superior teacher demonstrates. The great teacher inspires." In this spirit, Heartfulness Institute offered me an experiential training program which included relaxation and meditation. I was enriched with the fact that classroom environment mainly consists of

teaching, learning, trust, sharing, interaction, participation, expression, guidance and such other traits. Purpose of the teaching should be the holistic development of the child. Inquiry based learning method should be adopted. The students should be encouraged to ask questions - Why? / What? / How? / When?. One period in the week should be relaxation for the students to promote inner awareness and human qualities. Benefits of the practice include clarity of thought, focus, concentration, productivity, balance, stress relief etc.

In this motivational training camp I learnt to relax, pause, regulate my mind, remove clutter from my mind at the end of the day and connect within, so I can listen to my heart. It was a wonderful experience for me. Now I would be able to connect to my students very positively and I will try to enhance the self-development skills in them. Thank you.

Mrs. Neela Panday,
Ass. Teacher, R.H.H.S.



K B ZAVERI

THE HERITAGE OF TIMELESS BEAUTY

9, PARISEEMA, C.G. ROAD, AHMEDABAD | +91-79-26406411 | +91-9909022301

kbzaveri.in



GUJ RERA Reg. No.: MAA00012/240817
 gujrera.gujarat.gov.in



WELCOME TO THE MOST SPACIOUS 3 BHK CONCEPT HOME

EXPERIENCE TODAY



Actual Concept Home

goinit.in

WE INVITE YOU to the unveiling of Maple Tree concept home which promises a unique lifestyle that offers spacious living at one of Ahmedabad's most promising and progressive location.



3 & 4 BHK APARTMENT

**Surdhara Circle, Thaltej
 Call: 079 6777 6218-19**

ganeshhousing.com